राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार,09 नवेम्बर–2021 वर्ष–4,अंक–286 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में लापता ढाई साल की बच्ची की हत्या,

नशे में किया दुष्कर्म,

आरोपी के फोन से अश्लील क्लिप मिली

क्रांति समय,सूरत

सूरत पांडेसरा के वड़ोद गांव की ढाई साल के बच्ची दीवाली की रात एक लापता पाई गई थी, जब फोरेंसिक पोस्टमॉर्टम से पता चला कि उसके साथ बलात्कार किया गया था। इस बीच पुलिस ने आरोपी गुड्डूकुमार वाधेश यादव को सीसीटीवी के आधार पर पकड़ा,

पुलिस आयुक्त अजय तोमर ने कहा कि आरोपी ने नशे में लड़की के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी के फोन से अश्लील क्लिप भी मिली है। बच्चे को गले में पकड़कर मार डाला सूरत के पुलिस आयुक्त अजय तोमर ने कहा कि आरोपी वड़ोद गुड्डूकुमारा वधेसा यादव (उम्र 40) के गांव में ही रहता था,आरोपी बिहार का रहने वाला है और कई सालों से सूरत में रह रहा है।

आरोपी के फोन से अश्लील क्लिप भी मिली है। आरोपी शादीशुदा है और दो बच्चों का पिता है। परिवार के अलावा सूरत में रहता है। दुष्कर्म के दौरान लड़की की मौत होने के संदेह में क्षत-विक्षत अवस्था में मिले शव को हत्या का सही कारण बताए विशेरा रिपोट के आधार पर लगाया जा सकता। आशंका जताई जा रही है कि वारदात के दौरान उसकी मौत भी हुई होगी। हालांकि सटीक कारण विसरा की रिपोर्ट आने के बाद ही बताया जा सकता है। इस बीच पुलिस ने आरोपी को पकड़ा.

माता-पिता को सतर्क रहने की जरूरत है भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी अभिभावकों को सतर्क रहने की जरूरत

है। जिसमें बच्चों को किसी अपरिचित जगह या समाज में अकेला न छोड़ा जाए, साथ ही किसी अजनबी के सामने आने पर उस पर नजर रखने के साथ-साथ बच्चे को जरूरी समझ भी दी जाए ताकि बच्चा किसी अजनबी के साथ न जाए। फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम से पता चलता है कि दीवाली की रात ढाई साल की बच्ची के घर से लापता होने के बाद पुलिस भाग रही थी। 100 से ज्यादा पुलिस पिछले दो दिनों से तलाश कर रही है। बालिका का शव कल वडोदरा गांव में एक झाड़ी में मिला था, इसलिए पुलिस अधिकारियों का एक काफिला मौके पर पहुंचा और अपहरण-हत्या मामले की आगे की जांच की. सिविल अस्पताल में बच्ची के शव का फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम किया गया।

पुलिस यह जानकर भी हैरान है कि लड़की को ले जाने वाले आरोपी पर फोरेंसिक पीएम की रिपोर्ट से पता चला है कि लड़की के साथ बलात्कार किया गया था।

सूरत में लापता ढाई साल की बच्ची की नशे में किया दुष्कर्म और हत्या,आरोपी के फोन से अश्लील क्लिप मिली

तीन बच्चियों से दुष्कर्म और एक की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत

गांधीनगर,गांधीनगर एलसीबी ने तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पोर्न फिल्में देखने और देशी शराब का आदी विजय ठाकोर नामक ठाकोर से पूछताछ में बड़ा खुलासा हुआ है। आरोपी ने एक नहीं बल्कि तीन मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म किया था। जिसमें एक बच्ची की हत्या के बाद उसके साथ विजय ठाकोर ने दुष्कर्म किया था। पहली घटना 4 नवंबर की है, जब विजय ठाकोर ने गांधीनगर के रांचरडा गांव की सीमा से पांच साल की बच्ची का मोटर साइकिल पर अपहरण किया। बाद में निर्जन स्थान पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और उसे रांचरडा-डाभला रोड पर छोड़कर फरार हो गया। बच्ची की माता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कई संदिग्धों को हिरासत में ले लिया7 लेकिन श्रमिक बस्ती होने के कारण आसपास सीसीटीवी उपलब्ध नहीं थे7 जिससे पुलिस ने जहां से बच्ची मिली थी उस जगह से आनेवाले रूट पर सीसीटीवी कैमरों की जांच की7 जिसमें एक फैक्ट्री पर लगे सीसीटीवी फूटेज की जांच में बच्ची को कोई शख्स मोटर साइकिल पर ले जाता हुआ दिखाई दिया7 यह शख्स पकड़े गए संदिग्धों में से विजय ठाकोर एक था, जो लगातार झूठ बोल रहा था। लेकिन पुलिस की सख्ती के आगे आरोपी विजय ठाकोर टूट गया और उसने एक नहीं बल्कि तीन बच्चियों के साथ दुष्कर्म करने का अपराध कबूल कर लिया। जिसमें 5 नवंबर को रात्रि के वक्त खात्रज चौराहे के निकट से 3 वर्षीय एक बच्ची का नवंबर ठाकोर ने अपहरण किया और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी थी। हत्या के बाद विजय ठाकोर ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। विजय ठाकोर की बताई गई जगह से पुलिस ने मासूम बच्ची का नग्न हालत में शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पूछताछ में आरोपी विजय ने आठ दिन पहले अन्य एक बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का गुनाह कबूल किया है।

आरोपी ने बताया कि दिवाली को बच्ची से दुष्कर्म के बाद पडौस के गांव में गरबा खेलने गया था। दिवाली के दूसरे दिन यानी नव वर्ष के पहले दिन भी अपने गांव में गरबा खेलने के बाद खात्रज चौराहे से बच्ची का अपहरण किया था और हत्या के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया था।

लो जब सरकार के मंत्री को ही फरियाद करना पड़े तो आम जनता का क्या होगा

पेट्रोल कम मिलने की शिकायत पर हरकत में आए मंत्री, आपूर्ति विभाग ने पेट्रोल पंप किया सील

क्रांति समय,सूरत

सूरत, एक ओर महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ रखी है, दूसरी ओर पेट्रोल पंप के कर्मी भी उसे लूटन में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। सूरत के ओलपाड के निकट एक पेट्रोल पंप पर पूरे पैसे लिए जाने के बावजूद वाहनों में कम पेट्रोल भरने की शिकायत मिलने के बाद हरकत में आए राज्य सरकार के मंत्र मुकेश पटेल जांच करने स्वयं पेट्रोल पंप पर पहुंच गए। मुकेश पटेल अपनी कार में डीजल भराने पेट्रोल पंप गए थे। उनके साथ भी वही हुआ जो आम आदमी के साथ होता है। पूरे पैसे लेने के बाद भी डीजल कम भरने मुकेश पटेल ने तुरंत आपूर्ति विभाग को कार्यवाही का आदेश दिया। मंत्री का आदेश मिलते ही आपूर्ति विभाग ने पेट्रोल पंप को सील कर जांच शुरू की है। ओलपाड के इस पेट्रोल पंप की तरह न जाने के कितने पंपों पर उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी की जाती होगी। संदिग्ध किस्म के इलेक्ट्रोनिक चिप का सहारा लेकर आपकी बताई हुई मात्रा से कम पेट्रोल-डीजल डाला जा सकता है और मीटर पूरी मात्रा दिखाता है। आपके वाहन में ईंधन कम मिलने के बावजूद पैसा पूरा लिया जाता है। इसके अलावा ईंधन में मिलावट की शिकायतें सामने आती रहती हैं। पेट्रोल में जला हुआ डीजल या अन्य कोई मिलावट हो सकती है। जब भी पेट्रोल भरवाएं तब मीटर पर हमेशा मीटर पर अपनी नजर रखें। धोखाधड़ी से बचने का तरीका यह है कि 500 या 1000 जैसे कॉमन राशि का ईंधन ऑर्डन न करें। चिप के इस्तेमाल से ज्यादातर ऐसी राशि की ही सेटिंग की जाती है। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि ईंधन भरने से पहले अटेन्डेंट मीटर को जीरो पर लाए। पेट्रोल या डीजल भराने के बद पंप से उसका बिल जरूर लें। फिर भी अगर आपको लगता है कि आपके साथ धोखाधड़ी की गई है तो आप कई तरीके से इसकी शिकायत कर सकते हैं। सभी पेट्रोल कंपनियों ने शिकायत के लिए निर्धारित वेबसाइट या फोन नंबर दे रखे हैं, जहां आप शिकायत कर सकते हैं।

घाटलोडिया के वृद्धि दंपत्ति की हत्या के आरोप में दो संदिग्ध शख्स हिरासत में

क्रांति समय,सूरत

अहमदाबाद,शहरके घाटलोडिया क्षेत्र की पारसमणी सोसायटी में गत धनतेरस की रात एक वृद्ध दंपत्ति की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने हत्या के आरोप में दो संदिग्ध शख्सों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। अहमदाबाद के घाटलोडिया क्षेत्र की पारसमणी सोसायटी के मकान नंबर 11 में रहनेवाले 89 वर्षीय दयानंद सुबाराव शानभाग और उनकी

80 वर्षीय पत्नी विजयालक्ष्मी शानभाग की गत 2 नवंबर को धनतेरस की रात गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। यह हत्या उस समय हुई जब वृद्ध दंपत्ति की पौत्री शाम 6 बजे दिवाली की खरीदी करने गई थी। उस वक्त लुटेरे वृद्ध दंपत्ति के घर में घुसे और हत्या की घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। घटनास्थल पर पहुंची घाटलोडिया पुलिस को आशंका थी कि लूट के इरादे से वृद्ध दंपत्ति की हत्या की गई है। लेकिन घर से रु 15 हजार नकद और आभूषण मिलने से पुलिस असमंजस में पड़ गई। सोसायटी के रिडेवलपमेंट की संभावनाओं के चलते सीसीटीवी भी नहीं थे, जिससे आरोपियों तक पहुंचना पुलिस के एक बड़ी चुनौती थी। क्राइम ब्रांच की चार टीमें आरोपियों की तलाश में जुट गईं। सीसीटीवी फूटेज में एक संदिग्ध शख्स के दिखने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश कर हिरासत में ले लिया। पूछताछ में पता चला कि हिरासत में लिया गया शख्स घाटलोडिया क्षेत्र में ही रहता है और उसने अन्य एक शख्स के साथ मिलकर वृद्ध दंपत्ति की हत्या की थी। क्राइम ब्रांच हिरासत में लिए गए दोनों शख्सों से हत्या की वजह जानने का प्रयास कर रही है। क्योंकि घर में लूट नहीं होने का खुलासा हुआ है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राज ठाकरे के घर का बदल गया पता, जानें कितना आलीशान है यह 5 मंजिला इमारत

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना यानी मनसे प्रमुख राज ठाकरे के आवास का पता बदल गया है। दिवाली के अवसर पर प्रतिष्ठित शिवाजी पार्क मैदान के सामने एक नई भव्य पांच मंजिला इमारत में राज ठाकरे शिफ्ट हो गए हैं। 'शिवतीर्थ' नाम का नया घर एक आलीशान बंगला है, जिसमें अत्याधुनिक जिमनाजियम, होम थिएटर, आधुनिक पुस्तकालय, डेक के साथ-साथ एक शानदार हॉल भी है। नया घर उनके पिछले घर 'कृष्ण कुंज' के ठीक बगल में स्थित है, जहां राज ठाकरे दो दशकों से अधिक समय तक रहे हैं। यहां राज ठाकरे अपनी पत्नी शर्मिला के साथ चौथी मंजिल पर रहेंगे जबकि उनके बेटे अमित, पत्नी मिताली के साथ तीसरी मंजिल के अपार्टमेंट में रहेंगे। ग्राउंड फ्लोर पर उनका पार्टी कार्यालय है, जिसमें पार्टी नेताओं के साथ बैठक और प्रेस कॉन्फ्रेंस की सुविधा है। पहली मंजिल में एक विशाल हॉल और एक शानदार भोजन क्षेत्र भी है। शुरू में इस इमारत में एक स्विमिंग पूल बनाने का भी प्रस्ताव था, मगर बाद में इसे छोड़ दिया गया। राज ठाकरे के एक करीबी नेता ने कहा कि राजसाहेब (राज ठाकरे) ने आर्किटेक्ट के साथ बैठ कर घर का सारा काम करवाया है। घर के सामग्री के चयन के साथ-साथ पूरे काम की देखरेख करने और पूरे घर को डिजाइन करने में उन्होंने अपनी दिलचस्पी दिखाई है। राज ठाकरे शनिवार को अपने नए घर चले गए और पुजारियों ने गृह प्रवेश करवाया। उनके बेटे अमित ने घर के नाम पट्टिका का अनावरण किया। कृष्णा कुंज के विपरीत इसका प्रवेश द्वार शिवाजी पार्क मैदान के सामने है। कृष्णा कुंज से पहले राज ठाकरे अपने परिवार के साथ रानाडे रोड स्थित कदम हवेली में रहते थे। कदम हवेली वह निवास था, जहां शिवसेना के संस्थापक और राज के चाचा बाल ठाकरे बांद्रा में मातोश्री में स्थानांतरित होने से पहले अपने भाई और राज के पिता श्रीकांत ठाकरे के साथ रहा करते थे।

भाजपा के दिग्गज नेता एलके आडवाणी का जन्मदिन , बधाई देने घर पहुंचे पीएम मोदी

पीएम मोदी हर साल आडवाणी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हैं। पिछले साल यानी 2020 में पीएम मोदी बधाई देने के लिए आडवाणी के घर पहुंच गए थे और उन्हें केक खिलाया था।

नई दिल्ली। भाजपा के फायर ब्रांड नेता और राम मंदिर रथ यात्रा के प्रणेता लाल कृष्ण आडवाणी का आज जन्मदिन है। वह 94 साल के हो गए हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें ट्वीट करके शुभकामनाएं दीं। इसके बाद वह बधाई देने के लिए आडवाणी के घर पहुंचे। उनके साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मौजूद थे।

पीएम मोदी ने ट्वीट में लिखी यह बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आडवाणी के जन्मदिन पर ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, आडवाणी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मैं उनके लंबे और

स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। लोगों को सशक्त बनाने और हमारे सांस्कृतिक गौरव को बढ़ाने की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए राष्ट्र उनका कर्जदार रहेगा।

पहले भी घर जाकर केक खिला चुके हैं पीएम मोदी

गौरतलब है कि पीएम मोदी हर साल आडवाणी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हैं। पिछले साल यानी 2020 में पीएम मोदी बधाई देने के लिए आडवाणी के घर पहुंच गए थे और उन्हें केक खिलाया था। उस दौरान पीएम मोदी ने आडवाणी के पैर भी छुए थे। उनके साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद थे।

अमित शाह ने भी किया ट्वीट

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी लाल कृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि अपने सतत संघर्ष से भाजपा की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाकर संगठन को अखिल भारतीय स्वरूप देने में अपना अहम योगदान देने वाले हम सभी के आदरणीय श्रद्धेय लालकृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आप सदैव स्वस्थ रहें और दीर्घायु हों, ऐसी ईश्वर से कामना करता हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आडवाणी के जन्मदिन पर ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, आडवाणी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मैं उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।

पेट्रोल-डीजल पर सियासत

बंगाल में ईंधन पर वैट में कटौती की मांग को लेकर आज से रैलियां निकालेगी भाजपा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल-डीजल के दामों में कटौती को लेकर सियासत जारी है। भाजपा बंगाल में सोमवार से पांच दिनों तक रैलियां निकालेगी। भाजपा की राज्य इकाई के उपाध्यक्ष राजू बनर्जी ने कहा कि पार्टी सोमवार दोपहर करीब एक बजे अपने मुख्यालय से रैली निकालेगी और प्रदेश की ममता बनर्जी सरकार से पेट्रोल तथा डीजल पर वैट में कटौती की मांग करेगी। राजू ने आगे कहा कि इस रैली में हमारे प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष और अन्य वरिष्ठ नेता भाग लेंगे और सभी कोविड -19 प्रोटोकॉल का पालन करेंगे। अगर पुलिस हमें रोकने की कोशिश करती है, तो हम कार्रवाई करेंगे।

छठ पूजा और जगधात्री पूजा के खत्म होने का इंतजार नहीं-भाजपा बंगाल के अलग-अलग इलाकों में रैली निकालेगी। राजू बनर्जी ने कहा कि चूंकि यह मुद्दा बहुत जरूरी है, इसलिए पार्टी छठ पूजा और जगधात्री पूजा के खत्म होने तक आंदोलन शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकती। उपाध्यक्ष राजू बनर्जी ने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ईंधन की कीमतों में वृद्धि को लेकर काफी हमलावर थीं, लेकिन दिवाली की पूर्व संध्या पर केंद्र द्वारा उत्पाद शुल्क कम करने के बाद वह और टीएमसी चुप हो गईं। टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने शनिवार को कहा कि भाजपा ईंधन की कीमतों पर सस्ती राजनीति कर रही है क्योंकि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आसमान छूती कीमतों को रोकने में उसकी नाकामी उजागर हो गई है। उसने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में थोड़ी कमी की है, ठीक है! लेकिन यह बहुत कम है। केंद्र सरकार ने दिवाली पर पेट्रोल-डीजल से एक्साइज ड्यूटी कम कर लोगों को राहत दी। केंद्र के फैसले के बाद भाजपा और एनडीए शासित राज्यों ने वैट भी कम कर दिया।

सुकमा में जवान ने साथियों पर एके-47 से बरसाई गोलियां, चार की मौत; तीन घायल

रांची। छत्तीसगढ़ के सुकमा में सीआरपीएफ 50 बटालियन कैंप से बड़ी वारदात की खबर सामने आई है। दरअसल, कैंप के एक जवान ने अपने ही साथियों पर रात एक बजे गोली चला दी। इस घटना में चार जवानों की मौत हो गई तो तीन घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि घायल जवानों में एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

जवानों के बीच हुआ था विवाद-सीआरपीएफ कैंप के जिस जवान पर साथियों पर गोली चलाने का आरोप है, वह देर रात नक्सली क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान जवानों के बीच कुछ विवाद हो गया, जो हिंसा में बदल

गया। इसके बाद सीआरपीएफ जवान आपे से बाहर हो गया और उसने गोलीबारी शुरू कर दी। इसी घटना में चार सीआरपीएफ जवानों की मौत हो गई।

आरोपी जवान से पूछताछ जारी-बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि लिंगनपल्ली गांव में स्थित सीआरपीएफ की 50वीं बटालियन के शिविर में जवान रितेश रंजन ने अपने साथियों पर गोली चला दी है। उन्होंने बताया कि इस घटना में चार जवानों धनजी, राजीब मंडल, राजमणि कुमार यादव और धर्मेंद्र कुमार की मृत्यु हो गई है जबकि तीन अन्य जवान धनंजय कुमार सिंह, धरमात्मा कुमार और मलय रंजन महाराणा घायल हो गए हैं।

सुंदरराज ने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली है कि आज तड़के करीब 3.15 बजे जवान रितेश ने विवाद के बाद अपनी एके-47 राइफल से अन्य जवानों पर गोली चला दी। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही अन्य जवान और अधिकारी वहां पहुंच गए। अधिकारियों और जवानों ने आरोपी जवान को पकड़ा तथा घायल जवानों को तेलंगाना के भद्राचलम जिले के अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों ने चार जवानों को मृत घोषित कर दिया जबकि तीन जवानों का इलाज किया जा रहा है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी जवान से पूछताछ की जा रही है। उससे पूछताछ के बाद घटना के कारणों के बारे में जानकारी मिल सकेगी।

दिवाली के बाद दिल्ली का हवा-पानी बिगड़ा, यमुना में फिर दिखे जहरीले झाग, छठ श्रद्धालु परेशान

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण की मार झेल रही दिल्ली में अब पानी भी दूषित होने लगा है। रविवार सुबह से ही कालिंदी कुंज के पास यमुना नदी की सतह पर जहरीले झाग तैरते दिख रहे हैं। छठ महापर्व से पहले यमुना में तैर रहे झागों ने श्रद्धालुओं के लिए भी परेशानी बढ़ा दी है। हवा-पानी के साथ दूषित होने से सरकार के साथ पर्यावरणविद् भी चिंतित हैं। दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण और यमुना के पानी में प्रदूषक तत्वों की मात्रा बढ़ने को लेकर कई बार चिंता जता चुकी है, लेकिन अब तक इस समस्या पर काबू नहीं पाया जा सका है। बता दें कि, कई बार यमुना दिल्ली में नदी की सतह पर तैरते जहरीले झाग के दृश्य भी सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं। माना जाता है कि फैक्ट्रियों, रंगाई उद्योगों, धोबी घाटों और घरों में इस्तेमाल होने वाले डिटर्जेंट के कारण अपशिष्ट जल में फॉस्फेट की मात्रा अधिक हो जाती है, जो यमुना में जहरीले झाग के बनने का प्राथमिक कारण है। इस बीच, दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न हिस्सों में सोमवार को भी वायु की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) के विश्लेषण के अनुसार, राजधानी दिल्ली में आज सुबह समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 432 दर्ज किया गया, जो रविवार सुबह 436 (गंभीर श्रेणी) था। वहीं, नोएडा में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में है और वायु गुणवत्ता सूचकांक 575 है। हालात को देखते हुए सफर ने लोगों को सभी बाहरी शारीरिक गतिविधियों से बचने और घरों में रहने की सलाह दी है। इसके साथ ही अगर कोई अस्थमा से पीड़ित है तो उसे अपनी दवा साथ रखनी चाहिए। सरकारी एजेंसियों के अनुसार, 0-50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा' माना जाता है, 51-100 को 'संतोषजनक', 101-200 को 'मध्यम', 201-300 को 'खराब', 301-400 को 'बहुत खराब' और 401-500 को गंभीर/खतरनाक माना जाता है। SAFAR ने अपने दैनिक बुलेटिन में सूचित किया कि पराली से संबंधित प्रदूषकों की बड़ी आमद के कारण वर्तमान में, AQI अभी भी 'गंभीर' श्रेणी में है।

दूर होनी चाहिए समय से न्याय मिलने की राह में आने वाली सभी बाधाएं

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से देश में अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन की मांग जोर-शोर से की जा रही है। दरअसल अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन के तहत अखिल भारतीय मेरिट चयन प्रणाली के जरिये योग्य और प्रतिभावान लोगों को शामिल किया जाएगा। हालांकि यह केंद्र सरकार को यह सुझाव पहले भी दिया जा चुका है, जिसके तहत देश की निचली अदालतों में न्यायाधीशों के चयन के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा की तर्ज पर अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन की सिफारिश की गई थी। इस सेवा के गठन के मुख्य कारणों में यह बताया गया था कि ऐसा होने से देश में न्यायाधीशों की कमी को दूर करने के साथ ही युवाओं में न्यायपालिका के प्रति एक सकारात्मक आकर्षण पैदा होगा।

उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय न्यायिक सेवा कोई नया एजेंडा नहीं है, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 312 में आल इंडिया सर्विसेज (अखिल भारतीय सेवा) की बात कही गई है। वर्ष 1976 में संविधान संशोधन के जरिये प्रविधान किया गया था कि संसद कानून बनाकर एक या उससे ज्यादा अखिल भारतीय सेवाएं (आल इंडिया सर्विसेज) सृजित कर सकती है और इसमें अखिल भारतीय न्यायिक सेवा भी शामिल है। दरअसल विधि आयोग पूर्व में तीन बार अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन की सिफारिश कर चुका है। वहीं कोरोना महामारी जनित कारणों से प्रभावित होती न्यायिक व्यवस्था को केंद्र सरकार द्वारा देश में न्यायिक सेवा के स्वरूप में परिवर्तन करके समुचित गति प्रदान किया जा रहा है। इससे युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में न्यायिक सेवा में आने का अवसर मिलेगा। हालांकि इस सेवा के गठन की राह में अनेक चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं, लेकिन केंद्र सरकार समेत इससे संबंधित तमाम प्राधिकरणों को आपसी तालमेल के जरिये कोई व्यावहारिक समाधान निकालना ही होगा, ताकि लोगों को समय पर न्याय मिल सके। वहीं दूसरी ओर इस संबंध में सरकार का मानना है कि अगर अखिल भारतीय न्यायिक सेवा का गठन होता है तो इससे प्रतिभाशाली लोगों का एक पूल बनाने में मदद मिलेगी जो न्यायपालिका का हिस्सा बन सकते हैं।देखा जाता है कि निचली अदालतों में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद जैसे मुद्दे हावी रहते हैं। इस कारण कुछ खास वर्ग के लोग ही न्यायिक प्रणाली में पाए जाते हैं। इतना ही नहीं, कई मामलों में यह भी देखा गया है कि कुछ निचली अदालतों में कुछ खास स्थानीय परिवार के लोगों का दबदबा रहता है। अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन से इस प्रकार की समस्याओं से भी निपटने में सहायता मिल सकती है।

लिहाजा, न्यायिक सेवा आयोग बनने के बाद न्यायाधीशों की नियुक्ति में पक्षपात के आरोपों पर भी विराम लग सकता है। 'इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2019' के अनुसार न्यायिक व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने की दिशा में बात की गई है।

नवाब मलिक ने 'सबूत' दिखा समीर वानखेड़े को फिर घेरा, पूछा- क्या आपकी साली ड्रग्स के धंधे में थी?

नई दिल्ली। आर्यन खान ड्रग केस में ताबड़तोड़ हमले करने वाले महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने समीर वानखेड़े पर एक और आरोप लगाया है। नवाब मलिक ने अपने लेटेस्ट अटैक में एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े पर एक और सवाल दागा है और पूछा है कि क्या उनकी पत्नी की बहन (साली) हर्षदा दिनानाथ रेडकर ड्रग्स के धंधे में जुड़ी थीं। मलिक ने इस बात को साबित करने के लिए कथित सबूत भी शेयर किए हैं। बता दें कि 2 अक्टूबर को एनसीबी ने क्रूज पर रेड मारी थी और तीन अक्टूबर को आर्यन खान को गिरफ्तार किया था।

सोमवार को एनसीपी नेता नवाब मलिक ने अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा, समीर दाऊद वानखेड़े क्या आपकी साली हर्षदा दीनानाथ रेडकर ड्रग्स के धंधे में थीं? आपको जरूर जवाब देना चाहिए क्योंकि उनका केस पुणे कोर्ट में पेडिंग है। यह रहा सबूत।% नवाब मलिक ने इस ट्वीट के साथ कुछ स्क्रीनशॉट भी साझा किया है, जिसमें एक केस का जिक्र दिख रहा है। मामला 2008 का बताया जा रहा है। हालांकि, नवाब मलिक के इस आरोप पर समीर वानखेड़े का जवाब भी आ गया है। इंडिया टुडे से बातचीत में नवाब मलिक ने इस आरोप को खारिज किया है और कहा कि

जनवरी 2008 में जब यह केस हुआ तब वह सर्विस में भी नहीं थे। एनसीबी अफसर ने आगे कहा कि उन्होंने क्रांति रेडकर से 2017 में शादी की है और पूछा कि वह इस केस से कैसे जुड़े हैं। इससे पहले महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने रविवार को आरोप लगाया था कि एनसीबी समीर वानखेड़े अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को फिरौती के लिए अगवा करने की साजिश में शामिल थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की युवा शाखा के मुंबई के पूर्व अध्यक्ष मोहित भारतीय इस साजिश के मास्टरमाइंड थे। उन्होंने दावा किया कि आर्यन खान के अपहरण का जाल मोहित भारतीय के रिश्तेदार ऋषभ सचदेवा के माध्यम से रचा गया था। उन्होंने दावा किया, 25 करोड़ रुपये मांगे गए थे और सौदा 18 करोड़ रुपये में तय हुआ था... 50 लाख रुपये दिए गए थे। सौदे की बात बिगड़ गई क्योंकि केपी गोसावी (क्रूज ड्रग्स मामले में एनसीबी के गवाह) की आर्यन के साथ सेल्फी, गिरफ्तारी के बाद वायरल हो गई। बता दें कि नवाब मलिक के आरोपों को देखते हुए वानखेड़े फैमिली ने एनसीपी नेता पर 100 करोड़ की मानहानि का केस ठोका है। बता दें कि पिछले महीने वानखेड़े के नेतृत्व में एक क्रूज पोत पर की गई छापेमारी के बाद आर्यन खान को गिरफ्तार किया गया था और पोत से कथित तौर पर मादक पदार्थ बरामद किया गया था। बाद में आर्यन को बंबई उच्च न्यायालय से जमानत मिल गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाउंस ई-स्कूटर विनिर्माण में 742 करोड़ निवेश करेगी

नई दिल्ली ।

किराए पर ई-स्कूटर प्रदान करने वाली स्टार्टअप कंपनी बाउंस अगले एक साल में ई-स्कूटर विनिर्माण और बैटरी देने और लेने के लिए बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए निवेश करने पर विचार कर रही है। कंपनी के के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इसके लिए कंपनी अगले 12 महीनों में 10 करोड़ डॉलर (742 करोड़ रुपए) का निवेश करेगी। उन्होंने बताया कि कंपनी अपना पहला ई-स्कूटर इस महीने के आखिर में पेश करेगी और इसकी आपूर्ति अगले वर्ष फरवरी से शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम बिजली से चलने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को मुख्य धारा में लाना चाहते हैं। जब हम ईवी में परिवर्तन के बारे में बात कर रहे हैं, तो हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं किसंबंधी मुद्दों की चिंता न करें। हमारे पास इसके दो संस्करण होंगे और नवंबर तक हम प्री-बुकिंग शुरू कर देंगे और डिलीवरी फरवरी में शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि कंपनी को प्री-बुकिंग में ई-स्कूटर के लिए एक लाख से अधिक बुकिंग इन वाहनों का व्यावहारिक रूप से इस्तेमाल किया जा सके। साथ ही ग्राहक चार्जिंग के बुनियादी ढांचे, बैटरी की क्षमता और आने की उम्मीद है।

सोना 48,000 से ऊपर, चांदी में भी तेजी

मुंबई ।

दिवाली के बाद सोने की कीमत में तेजी देखने को मिल रही है। एमसीएक्स पर दिसंबर डिलिवरी वाला सोना हफ्ते के पहले दिन 48,000 रुपए के ऊपर पहुंच गया। चांदी की कीमत में भी तेजी दिख रही है। एमसीएक्स पर दिसंबर डिलिवरी वाले सोने का भाव सोमवार को 48,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया। पिछले सत्र में यह 47,972 रुपए पर बंद हुआ था और सोमवार को 28 रुपए की तेजी के साथ 48,000 रुपए पर खुला। सुबह यह 72 रुपए की तेजी के साथ 48,044 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। दिसंबर डिलिवरी वाली चांदी भी 435 रुपए की तेजी के साथ 64,767 रुपए प्रति किलो पर ट्रेड कर रही थी। आने वाले दिनों में सोने की कीमतें बढ़ने का अंदाजा लगाया जा रहा है। बाजार के जानकारों का कहना हैं कि महंगाई समेत अर्थव्यवस्था से जुड़ी अन्य चिंताओं की वजह से सोने की कीमतें बढ़ सकती हैं। वैसे भी हर विशेषज्ञ यह सलाह देता है कि पोर्टफोलियो में 10-15 फीसदी हिस्सा सोने में निवेश जरूर करना चाहिए, ताकि सिक्योरिटी बनी रहे। महंगाई और अर्थव्यवस्था से जुड़ी अन्य चिंताओं के मामले में सोने के हेजिंग के लिए इस्तेमाल करना चाहिए।

हाल के महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार में आई तेजीः पीएचडीसीसीआई

नई दिल्ली । टीकाकरण में तेजी, त्योहारी सीजन और उपभोक्ता और उद्योग की धारणा में सुधार से भारतीय अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार ने हाल के महीनों में तेजी दिखाई दी है। उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई ने कहा कि अर्थव्यवस्था जीपीएस सूचकांक अक्टूबर में बढ़कर 131 पर पहुंच गया। इससे पिछले महीने यह 113.1 पर था। चालू वित्त वर्ष के पहले सात माह अप्रैल-अक्टूबर के दौरान यह 114.8 रहा है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 78.7 रहा था। एचडीसीसीआई के अध्यक्ष प्रदीप मुल्तानी ने कहा कि फिलहाल जिंसों की ऊंची कीमतों और कच्चे माल की कमी के मुद्दों से निपटने की जरूरत है, जिससे उपभोग और निजी निवेश को समर्थन दिया जा सके। मुल्तानी ने कहा कि कुल मांग को बढ़ाने के लिए परिवारों को उपभोग में वृद्धि पर ध्यान देने की जरूरत है। इससे पूंजीगत निवेश भी तेज होगा।

58 फीसदी ट्विटर फॉलोअर्स ने मस्क को टेस्ला के 10 फीसदी स्टॉक बेचने को कहा

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

एलन मस्क के ट्विटर पोल में भाग लेने वाले 58 फीसदी फॉलोअर्स ने उनसे इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला में अपना 10 फीसदी स्टॉक (24 अरब डॉलर मूल्य) बेचने के लिए कहा है। एलन मस्क ने पिछले सप्ताह ट्विटर पर एक सर्वेक्षण में अपने ट्विटर फॉलोअर्स से पूछा था कि क्या उन्हें अधिक कर का भुगतान करने के लिए टेस्ला स्टॉक बेचना चाहिए। इस पर 35 लाख से अधिक फॉलोअर्स में से 57.9 प्रतिशत ने हां कहा तो 42.1 प्रतिशत ने नहीं को लेकर मतदान किया। मस्क ने ट्वीट किया, कर से बचने के साधन के रूप में हाल ही में अवास्तविक लाभ हुआ है, इसलिए मैं अपने टेस्ला स्टॉक का 10 प्रतिशत बेचने का प्रस्ताव रखता हूं। रविवार को एक और ट्वीट में उन्होंने कहा, मैं इस चुनाव के परिणामों का पालन करूंगा, चाहे जो भी हो। मैं कहीं से नकद वेतन या बोनस नहीं लेता हूं। मेरे पास केवल स्टॉक हैं, इसलिए मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से करों का भुगतान करने का एकमात्र तरीका स्टॉक बेचना है। मस्क अमेरिका में सार्वजनिक रूप से कारोबार वाली संपत्तियों पर अप्राप्त लाभ पर कर लगाने के

प्रस्ताव के मुखर आलोचक थे।अमेरिकी सीनेटर रॉन विडेन (डी-ओरेगन) ने मस्क को जवाब दिया, दुनिया का सबसे धनी व्यक्ति किसी भी कर का भुगतान करता है या नहीं, यह ट्विटर पोल के परिणामों पर निर्भर नहीं होना चाहिए। यह अरबपतियों के आयकर का समय है। फिलहाल टेस्ला में मस्क की 10 फीसदी हिस्सेदारी करीब 24 अरब डॉलर की है, जिस पर उन्हें कर चुकाना होगा। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि अगर मस्क को टेस्ला के कई शेयरों को बेचना है, तो उनकी कीमत पर महत्वपूर्ण नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

बिटकाइन की कीमत 66,000 डॉलर के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दुनिया की सबसे बड़ी, सबसे लोकप्रिय और सबसे पुरानी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत में भारी उछाल देखा जा रहा है। हफ्ते के पहले दिन इसकी कीमत पांच फीसदी से अधिक चढ़कर 66,000 डॉलर के पार पहुंच गई। क्रिप्टो एक्सचेंज वजीरएक्स के मुताबिक 20 अक्टूबर के बाद बिटकॉइन की कीमत पहली बार 66,000 डॉलर के पार पहुंची है। पिछले 7 दिन में इसमें करीब 8 फीसदी तेजी आ चुकी है। 20 अक्टूबर को इसकी कीमत 67,000 डॉलर के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। लेकिन क्रिप्टो मार्केट में बिटकॉइन की हिस्सेदारी कम हो गई है। पिछले महीने ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट में इसकी हिस्सेदारी 46 फीसदी थी जो अब 43 फीसदी रह गई है। जानकारों का मानना है कि मार्केट तेजी से ऑल्टकॉइन्स की ओर बढ़ रहा है। सोलाना जैसे टोकन्स ट्रेडर्स के ध्यान अपनी तरफ खींच रहे हैं।

स्पाइसजेट के यात्री किश्तों में कर सकेंगे टिकट का भुगतान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विमानन कंपनी इस्पाइसजेट ने सोमवार को एक नई योजना शुरू की, जिसके तहत यात्री टिकट के लिए तीन, छह या 12 किस्तों में भुगतान कर सकेंगे। विमानन कंपनी ने कहा कि शुरुआती पेशकश के तहत ग्राहक बिना किसी अतिरिक्त लागत (बिना ब्याज) के तीन महीने की ईएमआई के विकल्प का लाभ ले सकेंगे। ईएमआई योजना का लाभ उठाने के लिए यात्रियों को पैन नंबर, आधार नंबर या वीआईडी जैसे बुनियादी ब्यौरे देने होंगे और इसे पासवर्ड से सत्यापित करना होगा। ग्राहकों को अपनी यूपीआई आईडी से पहली ईएमआई का भुगतान करना होगा और बाद की ईएमआई उसी यूपीआई आईडी से काट ली जाएगी। स्पाइसजेट ने बताया कि ईएमआई योजना का लाभ उठाने के लिए यात्रियों को किसी क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड का विवरण देने की जरूरत नहीं है।

बैंक कटे-फटे नोट बदलने से इनकार नहीं कर सकता, हो सकती है कार्रवाई

देश के किसी भी बैंक में बदलवाए जा सकते हैं कटे-फटे करेंसी नोट

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नियमों के मुताबिक कोई बैंक कटे-फटे करेंसी नोट बदलने से इनकार नहीं कर सकता है। इन पर बट्टा भी नहीं काटा जाएगा1 अगर कोई बैंक ऐसा करने से इनकार करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी की जा सकती है। रिजर्व बैंक ने कटे-फटे करेंसी नोट बदलने के दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं। कटे-फटे करेंसी नोट देश के किसी भी बैंक में बदलवाए जा सकते हैं। इसके लिए आपका होम ब्रांच जाना ही जरूरी नहीं है, लेकिन इसकी कुछ शर्तें भी हैं। बता दें कि नोट जितनी बुरी हालत में होगा, उसकी कीमत उतनी ही कम होती जाएगी। अगर आपके पास 5, 10, 20, 50 जैसे कम मूल्य के कटे-फटे करेंसी नोट हैं तो इनका कम से कम 50 फीसदी हिस्सा होना जरूरी है। ऐसा होने पर आपको उस करेंसी नोट का पूरा मूल्य मिलेगा। वहीं, 50 फीसदी से कम हिस्सा होने पर आपको कुछ भी नहीं मिलेगा। जैसे अगर आपके पास 5 रुपए का कटा-फटा नोट है और उसका 50 फीसदी हिस्सा सुरक्षित है तो आपको बदले में पूरे 5 रुपए मिलेंगे। रिजर्व बैंक के मुताबिक अगर आपके पास 20 से ज्यादा कटे-फटे हुए नोट हैं और उनका कुल मूल्य 5,000 रुपए से ज्यादा है तो बदलवाने पर ट्रांजैक्शन फीस भी देनी होगी। नोट बदलवाने के लिए जाने से पहले देख लें कि उसमें गांधीजी का वाटरमार्क, गवर्नर के साइन और सीरियल नंबर जैसे सिक्योरिटी सिंबले स दिखने चाहिए। अगर आपके पास मौजूद फटे नोट में ये सभी सिंबले स हैं तो बैंक को करेंसी नोट बदलना ही होगा। आरबीआई ने बहुत ज्यादा टुकड़ों में बंट गए करेंसी नोट को बदलवाने के भी नियम बनाए हैं। हालांकि इसके बदलने नए नोट मिलने की प्रक्रिया में कुछ समय लग सकता है। दरअसल, इसके लिए आपको आरबीआई की

ब्रांच में पोस्ट से ये नोट भेजने होंगे। इसमें आपको अपने अकाउंट नंबर, ब्रांच का नाम, आईएफएससी कोड, नोट की कीमत की जानकारी भी देनी होगी। रिजर्व बैंक आपसे लिए गए कटे-फटे करेंसी नोटों को प्रचलन से हटा देता है। इसकी जगह नए नोटों को छापने की जिम्मेदारी भी आरबीआई की ही होती है। पहले इन नोटों को जला दिया जाता था। हालांकि, अब इन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटकर री-साइकल किया जाता है। इन नोटों से फिर पेपर प्रोडक्ट्स बनवाए जाते हैं। फिर इन प्रोडक्ट्स को बाजार में बेच दिया जाता है।

जनधन खाते भी अपराध पर लगाम लगाने में मदद कर रहे : रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)

प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) ने न केवल देश के दूर-दराज के कोने-कोने में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने वाले वित्तीय समावेशन के दायरे को व्यापक बनाने में मदद की है, बल्कि इसने एक ऐसा वातावरण भी बनाया है, जिसने अपराध की घटनाओं को कम किया है।एसबीआई इकोरेप की रिपोर्ट के अनुसार, जिन राज्यों में पीएमजेडीवाई खातों में शेष राशि अधिक है, उनमें अपराध में स्पष्ट गिरावट देखी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है, हमने यह भी देखा कि उन राज्यों में जहां अधिक पीएमजेडीवाई खाते खोले गए हैं, वहां शराब और तंबाकू उत्पादों जैसे नशीले पदार्थों की खपत में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण और आर्थिक रूप से सार्थक गिरावट आई है। भारत में वर्षों से अपराध बढ़ते जा रहे हैं। 2020 में, कुल 66 लाख संज्ञेय अपराध जिनमें 42.5 लाख आईपीसी अपराध और 23.4 विशेष और स्थानीय कानून (एसएलएल) अपराध शामिल थे, 2018 में मामलों के पंजीकरण में 30 प्रतिशत की वृद्धि के साथ दर्ज किए गए। प्रति लाख जनसंख्या पर दर्ज अपराध दर 2018 में 383.5 (2019 में 385.5) से बढ़कर 2020 में 487.8 हो गई है। 2018 में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध में 7.3 प्रतिशत और 2019 में 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, हालांकि इसमें 2020 में 8.3 फीसदी गिरावट आई है। अपराधों पर जन धन खातों के प्रभाव को देखने के लिए, एसबीआई इकोरेप की रिपोर्ट ने 2016 से 2020 तक पीएमजेडीवाई के राज्यवार डेटा खातों के स्तर के डेटा को खातों की संख्या और बैलेंस दोनों को देखा और राज्य के साथ कई कुल अपराधों की मैपिंग की। चूंकि अपराध डेटा 2020 तक उपलब्ध है, इसलिए पैनल डेटा मॉडल बनाने के लिए 37 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और 5 साल के डेटा (2016-2020) को ध्यान में रखा गया। अनुमानित परिणामों से संकेत मिलता है कि पीएमजेडीवाई खातों की संख्या में वृद्धि और इन खातों में शेष राशि के कारण अपराध में उल्लेखनीय गिरावट आई है। रिपोर्ट में कहा गया है, यह जन धन-आधार-मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी के कारण हो सकता है, जिसने सरकारी सब्सिडी को बेहतर ढंग से व्यवस्थित करने में मदद की है और ग्रामीण क्षेत्रों में शराब और तंबाकू के खर्च जैसे अनुत्पादक खर्च को रोकने में मदद की है। इस तरह के वित्तीय समावेशन को डिजिटल भुगतान के उपयोग से भी सक्षम किया गया है क्योंकि 2015 और 2020 के बीच, प्रति 1,000 वयस्कों पर मोबाइल और इंटरनेट बैंकिंग लेनदेन 2019 में बढ़कर 13,615 हो गए हैं, जो 2015 में 183 थे। प्रति 1,00,000 वयस्कों पर बैंक शाखाओं की संख्या बढ़कर 14.7 हो गई। 2020 में 2015 में 13.6 से, जो जर्मनी, चीन और दक्षिण अफ्रीका से अधिक है।

30वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट नहीं करेगा पिक्सल 6 प्रो : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

गूगल ने हाल ही में अपना बहुप्रतीक्षित पिक्सल 6 सीरीज को लॉन्च किया है। लॉन्च के समय कंपनी ने दावा किया था कि फोन आधे घंटे में 50 प्रतिशत तक बैटरी चार्ज करने में सक्षम होगा, लेकिन अब एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह फोन फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट नहीं करेगा। आधिकारिक गूगल पिक्सल 6 सपोर्ट पेज ने कहा था कि यूएसबी-पीडी 3.0 के साथ गूगल 30वॉट यूएसबी-सी चार्जर से 30 मिनट में 50 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिक्सल 6 प्रो की 5,000 एमएएच की बैटरी को पूरी तरह से चार्ज करने में चार्जर को लगभग 111 मिनट का समय लगा और इसकी अनुकूली चार्जिंग और अनुकूली बैटरी सेटिंग्स बंद हो गईं। डिवाइस को 50 प्रतिशत चार्ज करने में लगभग 31 मिनट का समय लगता है। पिक्सल 6 में 6.4-इंच का ओएलईडी डिस्प्ले है, जबकि पिक्सल 6 प्रो में 6.7-इंच का एलटीपीओ डिस्प्ले है जो 10हर्ट्ज से 120हर्ट्ज तक के वेरिएबल रिफ्रेश रेट के साथ आता है। हुड के तहत, स्मार्टफोन में एक टेंसर चिपसेट दिया गया है, जिसे गूगल द्वारा इन-हाउस विकसित किया गया है। फोन एंड्रॉयड 12 आउट ऑफ द बॉक्स मटेरियल यू इंटरफेस के साथ आता है, और गूगल पांच साल तक के सुरक्षा अपडेट दे रहा है। ऑप्टिक्स की बात करें तो दोनों फोन में एफ/1.85-इंच एपेर्चर वाला 50एमपी सेंसर और 1/1.3-इंच सेंसर साइज है। दोनों फोन में एफओवी 114-डिग्री के साथ 12 एमपी का अल्ट्रा-वाइड कैमरा भी है। पिक्सल 6 प्रो में 4एक्स ऑप्टिकल जूम और 20एक्स डिजिटल जूम के साथ तीसरा 48एमपी टेलीफोटो कैमरा दिया गया है।

एनटीपीसी को आगे बढ़ने की जरूरतः आरके सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय बिजली मंत्री आरके सिंह ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी को आगे बढ़ते रहने की जरूरत है क्योंकि भारत में ऊर्जा की मांग तेजी से बढ़ रही है। एनटीपीसी ने उत्कृष्टता और नेतृत्व के 46 वर्ष पूरा करने पर अपना स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर सिंह ने एनटीपीसी की अनुकरणीय यात्रा और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान के लिए सराहना की। एनटीपीसी के एक बयान के अनुसार सिंह ने कहा कि एनटीपीसी एक विशेष कंपनी है। यह हमारे देश का सबसे बड़ा ऊर्जा प्रदाता है, जो विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज है। सिंह ने एनटीपीसी के स्थापना दिवस के अवसर पर पीएमआई, एनटीपीसी-नोएडा में आयोजित कार्यक्रम में एनटीपीसी के वरिष्ठ प्रबंधन और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संबोधित किया। अपने संबोधन में, सिंह ने कंपनी की उपलब्धियों, विशेषज्ञता और भविष्य के लक्ष्यों को साझा किया और देश के ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव लाने में एनटीपीसी की भूमिका की भी चर्चा की।

एप्पल कथित तौर पर नए मैक चिप्स पर कर रहा काम

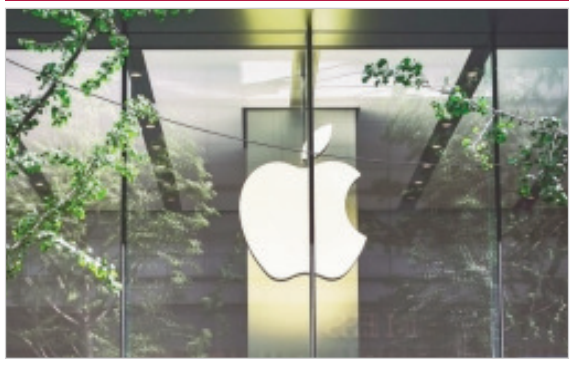

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

क्यूपर्टिनो-आधारित टेक दिग्गज एप्पल कथित तौर पर नए मैक चिप्स पर काम कर रहा है, जिसे संभवतः एम2 कहा जा सकता है। इसके 2023 तक मार्किट में उतरने की उम्मीद है।द इंफॉर्मेशन की रिपोर्ट के अनुसार, अगली पीढ़ी के चिपसेट संभवतः एम2, एम2 प्रो, और एम2 मैक्स में 5एनएम की उन्नत प्रक्रिया का उपयोग किया जाएगा।एप्पल और चिप आपूर्तिकर्ता टीएसएमसी से 2023 में आईफोन्स और मैक्स में उपयोग के लिए इबिजा, लोबोस और पालमा कोडनेम के साथ 3एनएम चिप्स का उत्पादन शुरू करने की उम्मीद है। माना जाता है कि ये 3एनएम मैक चिप्स 40 सीपीयू कोर तक सक्षम हैं जो एम1 प्रो और एम1 मैक्स के लिए उपयोग किए जाने वाले 10-कोर डिजाइन पर बड़े पैमाने पर अपग्रेड होंगे। चिप में दो डाई शामिल होंगे, जो अधिक कोर के उपयोग की अनुमति देंगे और यह अभी भी वर्तमान पीढ़ी पर एक अपग्रेड होंगे। एप्पल ने हाल ही में पूरी तरह से नए एम1 प्रो और एम1 मैक्स द्वारा संचालित मैकबुक प्रो का अनावरण किया। मैक के लिए डिजाइन किया गया पहला प्रो चिप्स 14 और 16 इंच मॉडल में होगा। कंपनी ने एक बयान में कहा, मैकबुक प्रो ग्राउंडब्रेकिंग प्रोसेसिंग, ग्राफिक्स और मशीन लर्निंग (एमएल) परफॉर्मेंस देता है, चाहे वह बैटरी पर चल रहा हो या प्लग इन के साथ-साथ अद्भुत बैटरी हो । नए मैकबुक प्रो में शानदार लिक्विड रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले, उन्नत कनेक्टिविटी के लिए बंदरगाहों की एक विस्तृत श्रृंखला, एक 1080पी फेसटाइम एचडी कैमरा और एक नोटबुक में सबसे अच्छा ऑडियो सिस्टम भी है।

अपना पहला गेम अलग–अलग एप स्टोर पर उपलब्ध करेगी नेटफ्लिक्स : रिपोर्ट

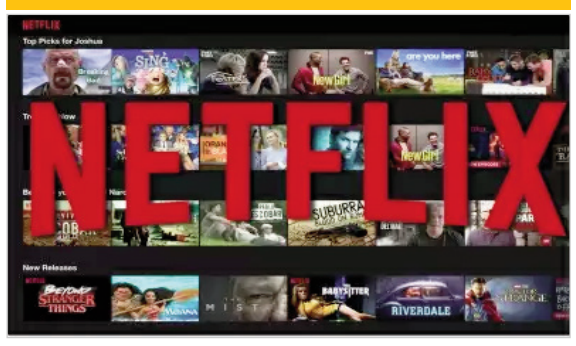

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

वीडियो स्ट्रीमिंग दिग्गज नेटफ्लिक्स ने हाल ही में घोषणा करते हुए कहा था कि वह दुनिया भर में अपना पहला मोबाइल गेम शुरूआत में एंड्रॉइड डिवाइस के लिए लॉन्च कर रही है। अब एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फर्म अपने मोबाइल गेम्स को ऐप स्टोर के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से आईओएस पर जारी करने की योजना बना रही है। पावर ऑन न्यूजलेटर के लेटेस्ट वर्जन में मार्क गुरमन ने दावा किया कि एप्पल के नियमों के भीतर काम करने के लिए, नेटफ्लिक्स ने एप्पल के ऐप स्टोर के माध्यम से अपने गेम को अलग-अलग शीर्षक के रूप में जारी करने की योजना बनाई है। नेटफ्लिक्स अपने सभी गेम एप्पल के एप स्टोर पर व्यक्तिगत रूप से जारी करेगा। हालांकि, वे एप के अंदर ही डाउनलोड और खेलने योग्य नहीं होंगे। यूजर्स को नेटफ्लिक्स गेम डाउनलोड करने के लिए ऐप स्टोर पर रीडायरेक्ट किया जाएगा, लेकिन खिलाड़ी डिवाइस पर नेटफ्लिक्स इंस्टॉल करने के बाद ऐप के भीतर से भी गेम लॉन्च कर सकते हैं।

एंड्रॉइड पर गेम आईओएस की तरह काम करते हैं, यूजर्स को गूगल प्ले स्टोर से गेम को इंस्टॉल करना होगा। एंड्रॉइड पर नेटफ्लिक्स के सदस्य अब पांच मोबाइल गेम खेल सकते हैं जिनमें स्ट्रेंजर थिंग्सः 1984 (बोनसएक्सपी), स्ट्रेंजर थिंग्स 3: द गेम (बोनसएक्सपी), शूटिंग हुप्स (फ्रॉस्टी पॉप), कार्ड ब्लास्ट (अमुजो और दुष्ट गेम्स) और टीटर अप (फ्रॉस्टी पॉप) शामिल हैं। सदस्य एक ही अकाउंट से कई डिवाइस पर गेम खेल सकेंगे।

Sports

वर्सटापन ने मैक्सिको ग्रां प्री जीती, एफवन की खिताबी दौड़ में बढ़त मजबूत की

मैक्सिको सिटी । रेड बुल के मैक्स वर्सटापन ने मैक्सिको सिटी ग्रां प्री फार्मूला वन रेस जीतकर सत्र की चैंपियनशिप के लिये मर्सीडीज के ड्राइवर लुईस हैमिल्टन पर बढ़त मजबूत कर ली। वर्सटापन के साथी सर्जियो पेरेज इस रेस के इतिहास में पोडियम पर पहुंचने वाले मैक्सिको के पहले ड्राइवर बने वह हैमिल्टन के बाद तीसरे स्थान पर रहे। इस परिणाम से रेडबुल टीम चैंपियनशिप की दौड़ में मर्सीडीज के बेहद करीब पहुंच गया है। इन दोनों टीमों के बीच अब केवल एक अंक का अंतर है। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान दर्शक वर्सटापन और पेरेज के समर्थन में नारे लगा रहे थे। पेरेज के पित मैक्सिको का ध्वज लहरा रहे थे। इस बीच हैमिल्टन इन दोनों ड्राइवरों के साथ चुपचाप पोडियम पर खड़े थे। हैमिल्टन जानते हैं कि रिकार्ड आठवीं बार एफवन सत्र का खिताब जीतने के लिए उन्हें वर्सटापन को पीछे छोड़ना होगा और इसके लिए अब समय बहुत कम बचा है। वर्सटापन अभी हैमिल्टन से 19 अंक आगे हैं और सत्र में केवल चार रेस बची हैं। इनमें अगली रेस ब्राजील के साओ पाउलो में होगी जिसे वर्सटापन ने 2019 में जीता था और वह फिर से जीत के दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे।

कपिल देव का बड़ा बयान

खिलाड़ियों को आईपीएल के बजाय राष्ट्र को प्राथमिकता देनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

विश्व कप विजेता पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव का मानना है कि देश के क्रिकेटर राष्ट्रीय टीम से अधिक आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) को प्राथमिकता देते हैं तथा मौजूदा टी20 विश्व कप के दौरान की गई गलतियों से बचने के लिए बेहतर कार्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की है। भारत सुपर 12 में पहले दो मैच गंवाने के कारण टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाया। न्यूजीलैंड ने रविवार को अफगानिस्तान को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया जिससे भारत बाहर हो गया। कपिल ने कहा, 'जब खिलाड़ी देश के लिए खेलने से ज्यादा आईपीएल को प्राथमिकता देते हैं, तो हम क्या कह सकते हैं? खिलाड़ियों को अपने देश के लिए खेलने पर गर्व होना चाहिए। मुझे उनकी वित्तीय स्थिति का पता नहीं है इसलिए मैं ज्यादा कुछ नहीं कह सकता।' आईपीएल का आयोजन टी20 विश्व कप से ठीक पहले किया गया था। कोविड-19 महामारी के कारण बीसीसीआई ने इतना व्यस्त कार्यक्रम तैयार किया। कपिल ने कहा, 'मुझे लगता है कि पहले राष्ट्रीय टीम और फिर फ्रेंचाइजी होनी चाहिए। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि वहां (आईपीएल) क्रिकेट न खेलें, लेकिन बेहतर योजना तैयार करने की जिम्मेदारी अब बीसीसीआई पर है।' उन्होंने कहा, 'इस टूर्नामेंट में हमने जो गलतियां की हैं, उन्हें नहीं दोहराना हमारे लिए सबसे बड़ी सीख होगी।' कपिल ने इसके साथ ही कहा कि आईपीएल के दूसरे चरण और टी20 विश्व कप के बीच में अंतर होना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'यह भविष्य पर गौर करने का समय है।

आपको तुरंत योजना तैयार करनी शुरू कर देनी चाहिए। ऐसा नहीं है कि विश्व कप खत्म हो गया है तो भारतीय टीम का पूरा क्रिकेट भी खत्म हो गया है। जाओ और योजना तैयार करो।' कपिल ने कहा, 'मेरा मानना है कि आईपीएल और विश्व कप के बीच कुछ समय का अंतर होना चाहिए था। आज हमारे खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके मिल रहे हैं लेकिन वे उसका फायदा नहीं उठा पाए।' यह 2012 के बाद पहला अवसर है जबकि भारत किसी आईसीसी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाया और कपिल ने कहा कि प्रत्येक को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। कपिल ने कहा, 'उन्होंने (शीर्ष खिलाड़ियों) अपने करियर में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन अगर आप अच्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं, तो आपको आलोचना का सामना करना पड़ेगा ... रवि शास्त्री, विराट कोहली का रिकार्ड अच्छा है, लेकिन अगर आप आईसीसी प्रतियोगिता नहीं जीत पाते हैं तो इससे उन्हें और पीड़ा होगी।'

भारतीय हॉकी टूर्नामेंट अंडर-16 का मंगलवार से होगा आगाज, कोविड प्रोटोकॉल पर विशेष ध्यान

पुणे (एजेंसी)।

5वें एसएनबीपी अखिल भारतीय हॉकी टूर्नामेंट अंडर-16 मंगलवार से शुरू होने वाला है। इससे देखते हुए आयोजकों द्वारा कोविड प्रोटोकॉल को यहां सख्ती से पालन करवाया जा रहा है। हॉकी इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त यह टूर्नामेंट 9-15 नवंबर तक श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और म्हालुंगे बालेवाड़ी में आयोजित किया जाएगा। इस पांचवें सीजन में सभी 24 टीमें भाग ले रही हैं। देश में आयोजित एकमात्र इस हॉकी टूर्नामेंट में पुरस्कार राशि रखी गई है। राज्य में कोविड-19 में दी गई छूट के बाद अंडर-16 के लिए यह पहला टूर्नामेंट होने जा रहा है। इसके लिए एस.ई. सोसाइटी के एसएनबीपी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट और आयोजकों ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी एसओपी और पुणे नगर निगम (पीएमसी) द्वारा निर्धारित गाइडलाइंस के तहत व्यवस्था की गई है। टूर्नामेंट के संयोजक फिरोज शेख ने आईएएनएस को बताया, हमें पीएमसी के साथ-साथ हॉकी इंडिया से अनुमति और कोविड-19 के गाइडलाइंस मिले हैं और उसके अनुसार हम सभी प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं।

रोहित और द्रविड़ बहुत जल्द भारत को आईसीसी टूर्नामेंट जीताएंगे : गौतम गंभीर

(एजेंसी)।

पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने उम्मीद जताई कि टीम इंडिया रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ के संरक्षण में आईसीसी टूर्नामेंटों में अपना भाग्य बदल सकती है। टीम इंडिया ने एमएस धोनी की कप्तानी में तीन आईसीसी ट्रॉफियां 2007 टी20 विश्व कप, 2011 50 ओवर का विश्व कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीती। लेकिन इसके बाद से भारत ने कोई आईसीसी खिताब अपने नाम नहीं किया है। गंभीर ने एक स्पोर्ट्स चैनल पर कहा, मुझे उम्मीद है कि रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ भारतीय क्रिकेट को इस प्रारूप में आगे ले जाएंगे और जल्द ही इंग्लैंड की तर्ज पर आईसीसी टूर्नामेंट जीतेंगे। इस महीने की शुरुआत में द्रविड़ को भारत का कोच नियुक्त किया गया था और उनका काम न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज से शुरू होना तय है। शास्त्री 2017 से भारतीय टीम के मुख्य कोच हैं और उनका कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद समाप्त होगा। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने के बाद मेन इन ब्लू पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। सोमवार 8 नवंबर को नामीबिया के खिलाफ उनका आखिरी होगा। भारत ने अफगानिस्तान और स्कॉटलैंड को काफी व्यापक तरीके से हराने का प्रबंधन किया, लेकिन रविवार को न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 8 विकेट से हराकर भारत की सेमीफाइनल की संभावना समाप्त कर दी।

जोकोविच ने लिया हार का बदला, छठा पेरिस मास्टर्स खिताब पर किया कब्जा

पेरिस (एजेंसी) ।

एटीपी रैंकिंग में साल के अंत में दुनिया के नंबर 1 अमेरिकी दिग्गज पीट सम्प्रास को पीछे छोड़ने के एक दिन बाद ही सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच ने रूसी डेनियल से बदला लेते हुए पेरिस में इस साल अपना छठा खिताब जीता। विश्व नंबर 2 और गत चैंपियन मेदवेदेव को 4-6, 6-3, 6-3 से हराया। जोकोविच, जिन्होंने पेरिस मास्टर्स सेमीफाइनल में पोलैंड के ह्यूबर्ट हर्काज को हराने के बाद रिकॉर्ड सातवें साल के अंत में विश्व नंबर 1 फिनिश हासिल की रेस में आगे निकल गए, उन्होंने रिकॉर्ड 2 घंटे 15 मिनट में 37वें एटीपी मास्टर्स 1000 में चले मैच में यूएस ओपन फाइनल में मेदवेदेव को हराकर अपना बदला लिया और खिताब को अपने नाम कर लिया। इस सीजन में, यह 14वीं बार था जब जोकोविच ने अपने छठे पेरिस मास्टर्स खिताब पर कब्जा करने के लिए एक सेट से जीत हासिल की। यह 1990 के बाद से एटीपी रैंकिंग में शीर्ष दो खिलाड़ियों को शामिल करने वाला पहला पेरिस मास्टर्स फाइनल भी था। मैच के बाद, जोकोविच ने कहा कि उन्होंने मेदवेदेव से यूएस ओपन में मिली हार के मैच का फुटेज देखा। ताकि यह पता लगाया जा सके कि फ्लशिंग मीडोज में रूस के खिलाफ कहां गलती की। फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव के साथ मैदान पर उतरने से पहले जोकोविच पूरी तरह से तैयार थे।

संक्षिप्त समाचार

राहुल द्रविड़ की जगह एनसीए निदेशक पद की रेस में सबसे आगे लक्ष्मण

मुंबई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के डायरेक्टर के तौर पर वीवीएस लक्ष्मण को पसंदीदा उम्मीदवार के रूप में देख रहा है। राहुल द्रविड़ के भारतीय टीम का प्रमुख कोच बनने के बाद यह पद खाली है। रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा समय में कॉमेंटेटर के रूप में यूएई में मौजूद लक्ष्मण को अपने रोल और अन्य जानकारियों की स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं, उसी के बाद में वह अगला कदम बढ़ाएंगे। दो साल तक जिम्मेदारी निभाने के बाद द्रविड़ ने एनसीए डायरेक्टर पद से पिछले महीने ही इस्तीफा दिया था। यहां पर वह चोट प्रबंधन, खिलाड़ियों के रिहैब, कोचिंग प्रोग्राम और एज ग्रुप के लिए रोडमैप की तैयारी और महिला क्रिकेट को देख रहे थे। एनसीए के प्रमुख को बेंगलुरु में रहना होगा। अकादमी का हेडक्वार्टर एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के परिसर में स्थित है। बीसीसीआई शहर से दूर अकादमी का निर्माण करा रहा है, जहां पर सभी संसाधन मौजूद होंगे। अगर लक्ष्मण इस पद को संभालते हैं तो इसका मतलब है कि उन्हें अपने गृहनगर हैदराबाद को छोड़ना होगा। लक्ष्मण अभी आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइज़र्स हैदराबाद के मेंटॉर भी हैं। इस साल की शुरुआत तक वह बंगाल क्रिकेट संघ के बल्लेबाज़ी सलाहकार भी थे। वह छह साल तक इस पद पर बने रहे। क्रिकेट संघ के बंगाल को दोबारा घरेलू क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए चलाए गए विजन 2020 का वह हिस्सा रहे थे। अगर लक्ष्मण एनसीए डायरेक्टर पद को कबूल लेते हैं तो उन्हें सभी अन्य पदों को हितों के टकराव की वजह से छोड़ना होगा, जिसके अंतर्गत बीसीसीआई का कोई भी पूर्व खिलाड़ी या अधिकारी एक से अधिक पदों पर बना नहीं रह सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई कोच जस्टिन लैंगर का जो बर्न्स ने किया समर्थन

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर जो बर्न्स ने सोमवार को कहा है कि कोच जस्टिन लैंगर और खिलाड़ियों के बीच अच्छा तालमेल है। उन्होंने आगे कहा कि टीमों में हमेशा कोई न कोई समस्याएं होती हैं, जिनके बारे में बातचीत कर उन्हें ठीक किया जा सकता है। लैंगर उस वक्त एक मुश्किल में घिर गए थे जब ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ एडिलेड के एक होटल क्वारंटाइन में थे। इस बात को लेकर 46 साल लैंगर और क्रिकेटरों के बीच परेशानी बढ़ गई थी। जिसके ऊपर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को अगस्त में एक आपातकालीन बैठक आयोजित करना पड़ा, जहां सीए अध्यक्ष अर्ल एडिंग्स, सीईओ हॉकले, टेस्ट कप्तान टिम पेन, सीमित ओवरों के कप्तान आरोन फिंच और पैट कमिंस मौजूद थे। वेस्ट इंडीज और बांग्लादेश से ऑस्ट्रेलिया की टी20 सीरीज में 4-1 हारने के बाद लैंगर पर सवाल उठने लगे थे। ढाका में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के एक कर्मचारी के साथ कथित बहस के अलावा कई खिलाड़ियों के बीच तनाव की खबरें आई थी। हालांकि, सलामी बल्लेबाज बर्न्स ने लैंगर का समर्थन करते हुए आठ दिसंबर से गाबा में शुरू हो रहे एशेज सीरीज के लिए तैयार होने की बात कही हैं।

2022 में पाकिस्तान का दौरा करेगा ऑस्ट्रेलिया, पीसीबी ने की घोषणा

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान के लिए खुशखबरी सामने आई है। अगले साल मार्च-अप्रैल में क्रिकेट के तीनों प्रारूपों की सीरीज खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया पाकिस्तान का दौरा करने वाला है। इस बारे में सोमवार को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने घोषणा की है। इस दौरान, दोनों देश तीन टेस्ट मैच, तीन वनडे और एक टी20 मैच खेलेंगे। टेस्ट कराची (3-7 मार्च), रावलपिंडी (12-16 मार्च) और लाहौर (21-25 मार्च) में होंगे, जबकि लाहौर में 29 मार्च से वनडे मैच खेले जाएंगे। जिसमें 5 अप्रैल को होने वाला एकमात्र टी20 मैच शामिल है। पाकिस्तान में टेस्ट मैच आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के हिस्से के रूप में खेले जाएंगे, जबकि वनडे मैच आईसीसी क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग से जुड़े होंगे। पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा ने सोमवार को एक बयान में कहा, पाकिस्तान में ऑस्ट्रेलिया का स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं। राजा ने कहा, ऑस्ट्रेलिया बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक है और 24 साल के अंतराल के बाद पहली बार हमारे मैदानों पर खेलना प्रशंसकों के लिए एक खुशी की बात होगी।इस दौरान, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के लिए न केवल हमारे प्रतिष्ठित स्थानों पर खेलने का एक शानदार अवसर होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने कहा, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अगले साल पाकिस्तान के दौरे को लेकर उत्साहित है। पाकिस्तान एक प्रतिभाशाली टीम है जो विपक्षी टीमों के लिए खतरा बन सकती है, जैसा कि यूएई में मौजूदा आईसीसी टी20 विश्व कप में उनके प्रदर्शन से पता चल रहा है। हम दौरे की योजना बनाने के लिए पीसीबी के प्रयासों को धन्यवाद देते हैं और आने वाले महीनों में सुरक्षा और कोविड प्रोटोकॉल से संबंधित चीजों पर जल्द से जल्द अपना रुख स्पष्ट करेंगे।

पाकिस्तान टीम में पहले चयन न होने पर दुखी था, लेकिन अब खुश हूं : मलिक

शारजाह (एजेंसी)।

टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के दिग्गज खिलाड़ी शोएब मलिक का अब तक शानदार प्रदर्शन रहा, लेकिन जब उन्हें पहली बार वेस्टइंडीज में यह खबर मिली कि उन्हें टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान टीम में नहीं चयन किया गया, तो वे निराश हो गए थे और उन्होंने सोचा था कि यह मेरे करियर का अंत है। हालांकि, बाद में चीजें बदली और अनुभवी बल्लेबाज सोहेब मकसूद को चोट के कारण बाहर किए जाने के बाद इस दिग्गज खिलाड़ी को पाकिस्तान टीम में शामिल किया गया। उनका टीम से जुड़ना उनकी किस्मत में था। मलिक ने 2009 में टी20 विश्व के सेमीफाइनल में जगह बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिससे पाकिस्तान बाद में चैंपियन बना। वहीं, इस वर्ल्ड कप में जिस तरह के फॉर्म में चल रहे हैं, 11 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले मैच में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। इस टूर्नामेंट में निर्णायक क्षण तब आया जब उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 20 गेंदों में 26 रनों की पारी खेलकर पाकिस्तान को एक करीबी मुकाबले में अहम जीत दिलाई, जिसने ग्रुप 2 में शीर्ष पर पहुंचा दिया। मलिक ने स्कॉटलैंड के खिलाफ अपनी आखिरी सुपर 12 मैच में 18 गेंदों में नाबाद 54 रनों की पारी खेली, जिससे पता चलता है कि वह सेमीफाइनल मुकाबले के लिए अच्छे फॉर्म में है। 39 साल के खिलाड़ी को उनके घरेलू फॉर्म के आधार पर टीम में शामिल किया गया था, जहां उन्होंने राष्ट्रीय टी20 टूर्नामेंट में सात मैचों में 225 रन बनाए थे। 2015 में टेस्ट क्रिकेट और 2017 में वनडे क्रिकेट छोड़ने के बाद, मलिक ने कहा था कि अगर वह टी20 विश्व कप के लिए चुने जाते है तो इसके बाद संयास लेना चाहेंगे। उन्होंने कहा, मैं कैरेबियन प्रीमियर लीग में खेल रहा था जब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पहली टीम की घोषणा की, जिसमें मेरा नाम नहीं था। बेशक मुझे बुरा लगा। मैं बहुत निराश हुआ। लेकिन मैंने बहुत सी टीमों को देखा है जहां मेरा नाम नहीं था, इसलिए जब आप विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं होते तो दुख होता है। मलिक ने स्कॉटलैंड से जीतने के बाद कहा, एक पेशेवर क्रिकेटर या एथलीट के रूप में आपका लक्ष्य खुद को किसी भी तरह के निराशा से बाहर निकलना होता है। उस समय मैं सीपीएल में खेल रहा था।

इंटर और एसी मिलान का मैच ड्रा छूटा, वेरोना ने नैपोली को बराबरी पर रोका

मिलान । इंटर मिलान को आत्मघाती गोल के कारण शहर के अपने प्रतिद्वंद्वी एसी मिलान के साथ इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए का मैच 1-1 से ड्रा खेलना पड़ा जबकि वेरोना ने भी नैपोली को बराबरी पर रोका। एसी मिलान के पूर्व मिडफील्डर हाकेन कालाहोंगलु ने 11वें मिनट में इंटर की तरफ से पेनल्टी को गोल में बदला। एसी मिलान ने डिफेंडर स्टीफन डि विरिज के आत्मघाती गोल से बराबरी की। नैपोली और एसी मिलान दोनों के 12 मैचों में समान 32 अंक हैं। नैपोली ने भी इससे पहले वेरोना से अपना मैच 1-1 से ड्रा खेला था। इंटर मिलान तीसरे स्थान पर है लेकिन उसके शीर्ष पर काबिज दोनों टीमों से सात अंक कम हैं। वेरोना को डेनियल वेसा और निकोला कालिनिच को लाल कार्ड मिलने के कारण नैपोली के खिलाफ मैच के अंतिम क्षणों में नौ खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा था। जियोवानी सिमोन ने सातवें मिनट में वेरोना की तरफ से गोल किया लेकिन उसकी बढ़त केवल पांच मिनट तक कायम रही। नैपोली की तरफ से जियोवानी डि लारेंजो ने बराबरी का गोल दागा।

वर्ल्ड कप या फिर आईपीएल महत्वपूर्ण, खिलाड़ी करें फैसला - मदनलाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय प्रशंसकों का दिल टूट गया जब रविवार को आईसीसी टी20 वर्ल्ड में न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को एक अहम मैच में हराया। कीवियों की जीत के साथ ही विराट कोहली की टीम सेमीफाइनल की दौर से बाहर हो गई। 2012 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब भारत ग्रुप राउंड से बाहर हो गया।पूर्व क्रिकेटर मदन लाल ने सोमवार को भारत के बाहर हो जाने के कई कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्पष्ट बात कही कि, खिलाड़ियों को निर्णय लेने की आवश्यकता थी कि विश्व कप या इंडियन प्रीमियर लीग में कौन सबसे ज्यादा आपके लिए महत्वपूर्ण है। आईएएनएस से बात करते हुए 1983 विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ी ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से ज्यादा क्रिकेट खेलने के कारण खिलाड़ी थके हुए लग रहे थे। वास्तव में बायो-बबल थकान ने यहां एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह कोई बहाना नहीं है! भारत-न्यूजीलैंड के मैच में जब कीवी गेंद को मार रहे थे, तो वह मैदान से बाहर जा रही थी लेकिन जब हमारे खिलाड़ी मार रहे थे, तो वह क्षेत्ररक्षकों के हाथों में जा रही थी, जिससे लग रहा था कि वह थके हुए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। उन्होंने कहा, वे आईपीएल में खेलने के बाद सीधे विश्व कप में आए। इससे पहले वे इंग्लैंड में खेलकर आए थे। अब यही समस्या है कि वे आईपीएल में नहीं खेलते तो विश्व कप से पहले, उन्हें थोड़ा आराम करने का समय मिल जाता। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को यह तय करने की जरूरत है कि उनके लिए क्या अधिक महत्वपूर्ण है, विश्व कप या आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में खेलना? यह सिर्फ कोई सीरीज नहीं है, यह विश्व कप है। पूर्व क्रिकेटर ने जोर देकर कहा, इसके अलावा, हम सभी जानते हैं कि यह टी20 प्रारूप कितना अलग है। इसमें हर समय अच्छा प्रदर्शन करना पड़ता है। जैसा कि पाकिस्तान और इंग्लैंड कर रहे हैं।

मदन लाल ने आगे कहा कि ऑल राउंडर हार्दिक पांड्या की फिटनेस को लेकर भी चीजें साफ नहीं थी। वह फिट थे या अनफिट? वह गेंदबाजी करेंगे या नहीं? इस पर असमंजस था। उन्होंने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी में बदलाव करने का फैसला एक गलत कदम था।जिसने भी वह फैसला किया, वह गलत था।

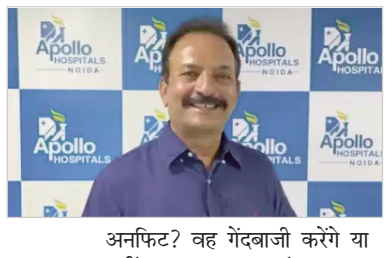

जर्मनी में बुंदेलसगा लीग फुटबॉल में खेलते हुए खिलाड़ी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

साल भर घर में रहेगी सुख–समृद्धि, अगर इन 5 रंगों से सजाएंगे घर

घर में सुख शांति और प्रसन्नता का वातावरण बना रहे इसलिए कई लोग घर की साज-सज्जा व रंगाई के लिए वास्तु और फेंगशुई के टिप्स आजमाते हैं। आप भी सौभाग्य के लिए घर रंगवाते समय ध्यान रखें इन 5 बातों का -

- घर का बैठक कक्ष सबसे अहम होता है, इसलिए यहां की दीवारों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यहां पर भूरा, गुलाबी, सफेद या क्रीम कलर सबसे अच्छा माना जाता है। यहां पर इन रंगों के परदे या तकिए कवर का इस्तेमाल भी शुभ फल देता है।
- भोजन कक्ष को रंगवाते समय आसमानी, हल्का हरा व गुलाबी रंग करवा सकते हैं। इससे हमेशा उर्जा व ताजगी का संचार होता है, और सकारात्मकता बनी रहती है।
- रसोई घर में सफेद रंग हमेशा अच्छा माना जाता है। हालांकि यह गंदा भी बहुत जल्दी होता है, लेकिन अगर आप नियमित तौर पर सफाई बनाएं रखें तो यह बहुत ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है।
- शयन कक्ष भी काफी महत्वपूर्ण होता है, यहां पर भी आप हल्का हरा, आसमानी, गुलाबी जैसे रंगों को इस्तेमाल कर सकते हैं, जिन्हें देखकर मन हमेशा प्रसन्न रहे। इससे आपके रिश्तों में भी मधुरता आती है।
- बाथरूम या शौचालय के लिए हल्का गुलाबी या फिर सफेद रंग ही सबसे बेहतर होते हैं। खास तौर से बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग ताजगी बनाए रखता है और आप आंतरिक खुशी महसूस करते हैं।

बच्चों को स्कूल भेजने से पहले जरूर बता दें ये बातें, काम आएंगी ये सावधानियां

आज कोरोना का खौफ विश्वभर में छाया हुआ है। जब तक कोविड-19 की वैक्सीन सभी को उपलब्ध नहीं लग जाती, सरकार के साथ घर के सभी बड़े लोगों की यह जिम्मेदारी है कि वो अपने परिवार की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें। इसी सुरक्षा में घर के छोटे बच्चे भी आते हैं। जो स्कूल खुलने पर अपने-अपने स्कूल जाएंगे। ऐसे में बच्चों को स्कूल भेजने से पहले आपको उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें ऐसी कई जरूरी बातें सिखानी और समझानी होंगी जोकि कोरोना काल में जीवन का जरूरी हिस्सा बन चुकी हैं। आइए जानते हैं आखिर क्या हैं वो बातें।

बच्चों को दें सोशल डिस्टेंसिंग का मंत्र

स्कूल शुरू होने से पहले बच्चों को सोशल डिस्टेंसिंग का महत्व समझाएं। बच्चों की डेस्क दूर–दूर रखें ताकि उनमें दूरी बनी रहे।

हाथ धोने की आदत

बताएं कि सिस्टम, दरवाजे का हैंडल, नल का हैंडल, जैसी चीजें छूने के बाद अच्छे से हाथ जरूर साफ करें। बच्चों को कम से कम 20 सेकेण्ड तक अच्छे से हाथ धोने की आदत डालें। इसके अलावा बच्चों को हैंड सैनेटाइजर का भी इस्तेमाल करना बताएं।

मास्क पहनना जरूरी

बच्चों को समझाएं जहां सोशल डिस्टेंसिंग संभव न हो कपड़े का मास्क लगाएं रखें। अपने बच्चे के बैग में हमेशा एक्स्ट्रा मास्क जरूर डालकर रखें ताकि अगर उसे अपना मास्क बदलना हो तो वो आराम से कर सके। बच्चे को समझाएं कि उसे अपने दोस्तों के साथ अपना मास्क नहीं बदलना है।

झूठा खाने से करें परहेज

बच्चों को बताएं कोविड–19 के चलते स्कूल में अपने दोस्तों के टिफिन बॉक्स से या उनका झूठा किया हुआ भोजन न खाएं।

खांसते–छींकते समय कोहनी या रूमाल का इस्तेमाल

बच्चों को समझाएं जब कभी स्कूल में उन्हें छींक या खांसी आएं तो वो अपने मुंह के पास अपने रूमाल का इस्तेमाल करें।

लॉकडाउन रिश्तों में आई दूरियां मिटाने का समय

चाहे आप एक परिवार में हो या कपल हों, इस समय खुद को खुश रखने के साथ-साथ अपने रिश्तों को मजबूत करने की भी आवश्यकता है। यदि आपकी आपके पार्टनर के साथ लंबे समय से किसी बात को लेकर गलतफहमी हो गई है या दूरियां आ गई हैं, तो यही सही समय है अपने रिश्तों को वापस से सहेजने और उन्हें मजबूत करने का। वैसे भी कोरोना वायरस के कारण यह वक्त बहुत कठिन हो गया है। इस समय को एक परीक्षा का समय कहना गलत नहीं होगा और ऐसे समय में एक-दूसरे को सकारात्मक व खुश रखना बेहद जरूरी है।

अगर आप भी महसूस कर रहे हैं अपने रिश्तों में दरार को तो यही सही समय है अपने रिश्तों को प्यार से जीतने और उन्हें वापस से मजबूत करने का। आप इस बात को जरूर समझें कि तनावपूर्ण पक्ष एक उज्ज्वल पक्ष के साथ भी आते हैं। हर बुरी परिस्थिति में एक अच्छाई जरूर होती है। जब आप कोरोना वायरस जैसी महामारी को खत्म करने के लिए घर में कैद हैं अपनों के साथ, तो यह समय एक–दूसरे के बीच की दूरी को दूर करने का है।

अगर हम इसका सकारात्मक पहलू देखें तो अब पर्याप्त समय नहीं होने जैसी शिकायतों के लिए कोई जगह नहीं बची है। यह समय अपने रिश्तों को और मजबूत करने का समय है। अपने रिश्तों को फिर से जोड़ने और उसे रिचार्ज करने का टाइम है। आपके रिश्तों में किस बात को लेकर दूरियां हो रही थीं, किन बातों को लेकर नाराजगी बनी हुई थी, इन बातों को देखें और इसे अपने बीच से हटाने और अपने रिश्ते को मजबूत करने के बारे में सोचें और इस समय का पूरा लाभ उठाएं। तो आइए जानते हैं कुछ खास बातें, जो आपके बहुत काम आ सकती हैं...

एकसाथ करें काम

अलग–थलग काम करने की बजाए आज काम एकसाथ मिलकर करें, जैसे घर के कामों को विभाजित कर लें। साथ ही खाना बनाने जैसे कार्यों में एकसाथ काम करें और एकसाथ खाना भी खाएं। अपने दैनिक काम को खुशनुमा बनाएं। हर बात पर चिढ़–चिढ़ या शिकायतें करना छोड़ दें और एक टीम के रूप में काम करें। जब आप काम करते रहें तो इस समय थोड़ी मस्ती को भी जगह दें। ऐसा करने पर मजे से काम भी होगा और रिश्तों में आपसी मिठास भी बढ़ेगी।

नाराजगी की वजह बताएं

अगर आपकी ऐसी आदत है कि आप अपनी नाराजगी को जाहिर नहीं कर पाते तो यह आदत सुधार लीजिए, क्योंकि आप अपनी उन बातों को रखकर अपने रिश्तों को सिर्फ कमजोर कर रहे हैं। इससे बेहतर है कि आप अपनी बात अपने पार्टनर से करें और अपनी नाराजगी की वजह बताएं।

अपने अंदर के बच्चे को खोजें

इस समय को कुछ दिलचस्प बनाएं। अपने पुराने समय को याद करें। परिवार के सदस्य मिलकर बोर्ड गेम खेलें। ये मूड को अच्छा बनाने के लिए शानदार शुरुआत है। अपनी रचनात्मकता का उपयोग करें, जैसे घर पर उपलब्ध कुछ सामानों के साथ आप आर्ट क्रॉफ्ट शुरू कर सकते हैं और मधुर व खूबसूरत यादें बना सकते हैं।

अच्छे समय को करें याद

अपने पार्टनर के साथ अपनी पुरानी यादों को ताजा करें। ये बातें हमेशा खुशी देती हैं। आप अपनी पहली मुलाकात के बारे में भी बातें कर सकते हैं।

घर पर बनाएं हेयर स्पा क्रीम और करें घर में पार्लर जैसा स्पा

हर किसी की चाहत होती है खूबसूरत और शाइनी बालों को पाने की। लेकिन धूल व बार-बार बालों में हीट के इस्तेमाल करने से बालों की रौनक धीरे-धीरे खोती जाती है जिसके लिए पार्लर जाकर हेयर स्पा करना एक विकल्प बचता है। पार्लर में जाकर ढेरों पैसे खर्च करने पड़ते हैं और हर बार पार्लर जाकर इतने पैसे खर्च करना मुमकिन भी नहीं हो पाता है। वहीं कोरोना काल में अधिकतर लोग पार्लर से दूरी बनाए हुए हैं। यदि आप पार्लर जाए बिना घर में ही हेयर स्पा करने के बारे में सोच रही हैं तो यहां हम इस लेख में आपको घर में ही हेयर स्पा क्रीम बनाना सिखाएंगे जिससे कि आप खुद ही घर में हेयर स्पा कर सकती हैं, साथ ही साथ आप पैसों और समय दोनों की बचत कर सकती हैं।

किन चीजों आवश्यकता है

2 चम्मच ऑलिव ऑइल, 1 चम्मच नारियल का तेल, 1 चम्मच ग्लीसरीन, 4 से 5 चम्मच एलोवेरा जेल, 4 चम्मच हेयर पैक या हेयर कंडीशर जो आप इस्तेमाल करते हों

कैसे बनाएं

- सबसे पहले 1 कटोरे में ऑलिव ऑइल लें, एलोवेरा जेल, ग्लीसरीन, हेयर पैक या हेयर कंडीशनर को मिला लें।
- इन्हें मिक्सर के जार में डालकर अच्छी तरह से मिला लें।
- अब नारियल और बादाम का तेल समान मात्रा मिलाकर अपने बालों की जड़ों में लगा लें।
- अब जो स्पा क्रीम आपने तैयार की है, उसे अपने बालों में अच्छी तरह से लगा लें।
- टॉवेल को गर्म पानी में डुबोकर इसे अपने बालों में लपेट लें और कुछ समय तक स्टीम लें। ऐसा 4 से 5 बार करें।
- अब अपने रेगुलर शैम्पू से अपने बालों को धो लें।

अपने मेकअप प्रोडक्ट को किसी के भी साथ न करें शेयर

लड़कियां अक्सर अनेक ब्यूटी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं, अपने मेकअप की खरीदी में भी हर बात का ध्यान रखती हैं। लेकिन कुछ ऐसी गलतियां हैं, जो वे अनजाने में कर जाती हैं जिसका खामियाजा उन्हें स्कीन संबधित समस्याओं से भुगतना पड़ता है।

अब आप सोच रही होंगी कि ऐसी क्या गलतियां हैं, जो हमसे हो जाती हैं? तो हम आपको बताते हैं। दरअसल, अक्सर लड़कियां अपने मेकअप प्रोडक्ट को अपने फ्रेंड्स के साथ शेयर करने से नहीं कतरातीं, क्योंकि उन्हें इस बात की जानकारी ही नहीं है कि ऐसी गलती उन्हें त्वचा संबधित परेशानियों में डाल सकती हैं। तो आइए जानते हैं कि किन–किन चीजों का आपको ध्यान रखना चाहिए और किन–किन प्रोडक्ट को शेयर करने से भी बचना चाहिए जिससे कि आपको त्वचा संबधित परेशानी न हो। अगर आप भी यह सोचती हैं कि काजल को शेयर करने से क्या होगा, इसमें कोई हर्ज नहीं है तो आप गलत हैं। अगर आप भी ऐसी गलती कर रही हैं तो संभल जाएं और इस गलती को अभी सुधार लें, क्योंकि ऐसा करने से आपको आंखों में इंफेक्शन जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। आंखें हमारे शरीर का सबसे नाजुक हिस्सा होती हैं और इसका ख्याल भी हमें पूरी सावधानी के साथ रखना चाहिए, क्योंकि छोटी–सी गलती आपको बड़ी समस्या में डाल सकती है। हमने अधिकतर देखा है कि लड़कियां अपने आई मेकअप प्रोडक्ट को किसी के साथ शेयर करने में जरा भी नहीं सोचतीं लेकिन यह किसी के साथ बांटना आपकी आंखों के लिए खतरा बन सकता है। जैसे मान लीजिए कि आप अपने आई मेकअप में से जो मस्कारा खुद लगाती हैं और उसे अपनी फ्रेंड के साथ भी शेयर करती हैं तो इससे आपको बैक्टीरियल इंफेक्शन की आशंका बढ़ सकती है। इसलिए अगर समय पर आप सचेत न हुईं तो मस्कारे का शौक आपकी आंखों पर भारी पड़ सकता है। कोशिश करें कि मस्कारा आप किसी और के साथ शेयर न करें।

अगर आप अपनी कंघी को शेयर करती हैं तो इसे भी तुरंत बदल डालें। अपनी कंघी अलग रखें और किसी के साथ शेयर न करें। यदि किसी ने आपकी कंघी का इस्तेमाल कर भी लिया है तो इसे दोबारा इस्तेमाल करने से पहले धो लें और उसके बाद ही कंघी को अपने बालों में डालें।

सार समाचार

पुर्तगाल की संसद ने इच्छामृत्यु को किया वैध

लिस्बन। पुर्तगाल में सांसदों ने एक संशोधित विधेयक को मंजूरी देकर इच्छामृत्यु को वैध बनाने के लिए मतदान किया, जिसमें संवैधानिक न्यायालय द्वारा पहले उठाई गई आपत्तियों को सही कर दिया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 138 ने विधेयक के पक्ष में तो विधेयक के विरोध में 58 लोगों ने मतदान किया। इस बिल को मार्च में राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा ने वीटो कर दिया था। नया कानून उन शर्तो को निर्दिष्ट करता है जिनके तहत चिकित्सकीय सहायता प्राप्त मौत दंडनीय नहीं है। नियम काफी प्रतिबंधात्मक हैं और केवल 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोग जो पुर्तगाली नागरिक हैं या देश में कानूनी रूप से रह रहे हैं, वो लोग दर्द और पीड़ा को दूर करने के लिए इच्छामृत्यु का सहारा ले सकते हैं। केवल असहनीय पीड़ा, गंभीर चोट या लाइलाज और घातक बीमारी की स्थितियों में रोगी ही इस अंतिम प्रक्रिया का विकल्प चुन सकते हैं। इस बिल को लागू करने के लिए राष्ट्रपति डी सूसा को हस्ताक्षर करने की जरूरत है।

इराकी चुनाव परिणामों को खारिज करने वाले 2 प्रदर्शनकारी संघर्ष में मारे गए

बगदाद। मध्य बगदाद में सुरक्षा बलों के साथ झड़प के दौरान इराकी चुनाव परिणामों को खारिज करने वाले दो प्रदर्शनकारी मारे गए। समाचार एजेंसी ने गृह मंत्रालय के हवाले से बताया, (शुक्रवार को) 10 अक्टूबर के पूर्व चुनाव के नतीजों को सभी पार्टियों ने खारिज कर दिया और सैकड़ों समर्थक गृह मंत्रालय के पास ग्रीन जोन के बाहरी गेट के सामने जमा हो गए, जबकि सुरक्षा बलों ने प्रवेश द्वारों को जाम कर दिया। सूत्र ने कहा कि प्रदर्शनकारियों के क्षेत्र में घुसने की कोशिश के बाद झड़प शुरू हो गई, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा, जिन्होंने सैनिकों पर पत्थर और पानी की बोतलें फेंकी थीं। बाद में दिन में, इराकी ज्वाइंट ऑपरेशंस कमांड (जेओसी) ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी ने घटना के जांच के आदेश दिए हैं। जेओसी के बयान में कहा गया कि अल-कदीमी ने राजनीतिक दलों को शांत होने और बातचीत का सहारा लेने का आह्वान किया और प्रदर्शनकारियों को बिना हिंसा के शांतिपूर्ण प्रदर्शन करके अपने वैध अधिकारों का प्रयोग करने के लिए कहा है। चुनावों में, सदरिस्ट मूवमेंट ने 70 से अधिक सीटों के साथ बढ़त बनाई, जबकि अल-फतह (विजय) गठबंधन ने 2018 के चुनावों में 47 की तुलना में केवल 17 सीटें हासिल कीं। परिणाम कई राजनीतिक दलों के लिए आश्चर्यजनक थे, जिन्होंने चुनावों में हेरफेर और धोखाधड़ी के रूप में निंदा की और चेतावनी दी कि वे मनगढ़ंत परिणाम स्वीकार नहीं करेंगे।

अफगानिस्तान में 55 आईएस आतंकवादियों ने नंगरहार में किया

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के एक अधिकारी ने दावा किया है कि नंगरहार प्रांत में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के 55 आतंकवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। समाचार एजेंसी के अनुसार, अधिकारियों ने संवाददाताओं से कहा, स्थानीय लोगों के प्रयासों के बाद, आईएस समूह के कुल 55 सदस्यों ने हथियार डाल दिए और शुक्रवार को नंगरहार में खुफिया महानिदेशालय (जीडीआई) के प्रांतीय विभाग के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारी के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले आतंकवादी नंगरहार के बाटिल कोट, अचिन और स्पिन घर जिलों में सक्रिय थे, जो आईएस का एक जाना-माना गढ़ है। तालिबान के अफगानिस्तान पर नियंत्रण करने के बाद से दो महीनों में, आईएस-खोरासान या आईएस-के के नाम से जाना जाने वाले आईएस सहयोगी ने नए शासकों पर भारी दबाव डाला है और देशभर में कई हमले किए हैं। हमले ज्यादातर तालिबान इकाइयों और अफगानिस्तान के शिया अल्पसंख्यकों पर लक्षित रहे हैं। काबुल में और उत्तर में कुंदुज और तालिबान के दक्षिणी गढ़ में कंधार सहित महत्वपूर्ण शहरों में आत्मघाती बम विस्फोटों में कम से कम 90 लोग मारे गए और सैकड़ों अन्य घायल हुए हैं। मंगलवार को हालिया हमले में, आईएस लड़ाकों ने राजधानी के एक महत्वपूर्ण सैन्य अस्पताल पर बंदूकधारियों और कम से कम एक आत्मघाती हमलावर के साथ समन्वित हमला किया, जिसमें कम से कम 25 लोग मारे गए।

अमेरिकी विद्वान: अमेरिका-चीन संबंधों को शीत युद्ध के लिए जिम्मेदार न ठहराएँ

बीजिंग। अमेरिका के मशहूर अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक विद्वान जोसफ न्ये ने हाल ही में न्यूयॉर्क टाइम्स पर जारी एक लेख में कहा कि अमेरिका-चीन संबंधों को शीत युद्ध के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। उनके मुताबिक, अमेरिका और चीन दोनों आर्थिक स्तर और सामाजिक संरचना पर गहराई से अन्योन्याश्रित हैं। अमेरिका और चीन के बीच डिकूपलिंग असंभव है।

जोसफ न्ये ने लेख में कहा कि वाशिंगटन में कुछ राजनेताओं और नीति निमार्ताओं के बीच, एक नया विचार अधिक से अधिक लोकप्रिय हो रहा है- अमेरिका चीन के साथ शीत युद्ध में लगा हुआ है। यह एक खराब विचार है-इतिहास के लिए खराब, राजनीति के लिए और हमारे भविष्य के लिए खराब है उन्होंने कहा कि आर्थिक स्तर पर, अमेरिका और चीन के बीच गहरे अन्योन्याश्रय संबंध हैं। 2020 में, द्विपक्षीय व्यापार की रकम 5 खरब डॉलर से अधिक रही। वाशिंगटन में कुछ आवाजें अमेरिका और चीन के बीच डिकूपलिंग की बात कर रही हैं। यह विचार मूर्खतापूर्ण है। हमें अन्य देशों से ऐसा करने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, क्योंकि ऐसे और भी देश हैं जिनका सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार चीन है, न कि अमेरिका। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका और चीन की सामाजिक संरचनाएं भी गहराई से जुड़ी हुई हैं। दोनों देशों के बीच अटूट सामाजिक संबंध हैं, जिसमें विदेश में अध्ययन, पर्यटन और अन्य मामले शामिल हैं। इसके अलावा, महामारी और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों को अलग करना असंभव है। कोई भी देश अकेले महामारी और जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों से प्रभावी ढंग से नहीं निपट सकता है।

चीन के तीसरी बार फिर राष्ट्रपति बनेंगे शी चिनफिंग, सीपीसी का चार दिवसीय अधिवेशन शुरू

बीजिंग। (एजेंसी)।

राष्ट्रपति शी चिनफिंग के अभूतपूर्व तीसरे कार्यकाल का मार्ग प्रशस्त करने के उद्देश्य से चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के सैकड़ों वरिष्ठ अधिकारियों ने 100 साल पुराने सत्तारूढ़ दल के एक ऐतिहासिक प्रस्ताव पर चर्चा करने और उसे पारित करने के लिए सोमवार को यहां चार दिवसीय अधिवेशन शुरू किया। सीपीसी की 19वीं केंद्रीय समिति ने अपना छठा पूर्ण सत्र शुरू किया। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार, सीपीसी केंद्रीय समिति के लगभग 400 पूर्ण और अन्य सदस्य इस अधिवेशन में हिस्सा ले रहे हैं। खबर में कहा गया है कि सीपीसी केंद्रीय समिति के महासचिव शी ने राजनीतिक ब्यूरो की ओर से एक कार्य रिपोर्ट दी और सीपीसी के 100 वर्षों के प्रयासों की प्रमुख उपलब्धियों और ऐतिहासिक अनुभव पर एक मसौदा प्रस्ताव पर स्पष्टीकरण दिया। शी (68) के पास चीन की सत्ता के तीनों केंद्र - सीपीसी के महासचिव का पद, शक्तिशाली केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के अध्यक्ष का पद, जो कि सेना का समग्र उच्च कमान है, और राष्ट्रपति का पद - हैं। राष्ट्रपति के तौर पर शी अगले साल अपना पांच साल का दूसरा कार्यकाल पूरा करने वाले हैं।

राजनीतिक रूप से, यह बैठक शी के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जो सत्ता में अपने पिछले नौ वर्षों के कार्यकाल में पार्टी के संस्थापक माओ त्से तुंग के बाद सबसे शक्तिशाली नेता के तौर पर उभरे हैं। अपने पूर्ववर्ती हू जिनताओ के विपरीत चिनफिंग के तीसरे कार्यकाल के लिए पद पर बने रहने की व्यापक रूप से उम्मीद की जा रही है। जिनताओ दो कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त हुए थे। चिनफिंग 2018 में एक महत्वपूर्ण संविधान संशोधन के मद्देनजर संभवतः आजीवन सत्ता में बने रह सकते हैं। संविधान संशोधन ने राष्ट्रपति के लिए अधिकतम दो कार्यकाल की सीमा को हटा दिया था। उन्हें 2016 में पार्टी का ÷मुख्य नेता÷ (कोर लीडर) भी बनाया गया था। यह दर्जा माओ को ही प्राप्त था। अधिवेशन अगले साल होने वाले पार्टी के सम्मेलन से पहले आयोजित किया जा रहा है, जिसमें एक नया नेतृत्व नियुक्त किये जाने की उम्मीद है। बंद कमरे में आयोजित बैठक बीजिंग में कड़े कोविड-19 नियंत्रण उपायों के तहत हो रही है। पिछले कुछ हफ्तों में शहर में कोरोना वायरस संक्रमण के कई मामले सामने आए हैं, जिससे अधिकारियों को प्रवेश और निकास नियंत्रण को कड़ा करने के लिए प्रेरित किया गया है। शी को छोड़कर, प्रधानमंत्री ली क्विंग सहित अधिकतर अधिकारियों के दो कार्यकाल पूरा करने के बाद सेवानिवृत्त होने की उम्मीद है। पिछले तीन दशकों में, पार्टी ने आमतौर पर पिछले पूर्ण सत्र का उपयोग पार्टी मामलों का समाधान करने के लिए किया है, विशेष रूप से अहम नियुक्तियों, विचारधारा और पार्टी-निर्माण के मामलों पर। अधिवेशन में जिन प्रमुख मुद्दों पर नजर रहेगी, उनमें यह भी शामिल है कि क्या पार्टी अपने नेतृत्व

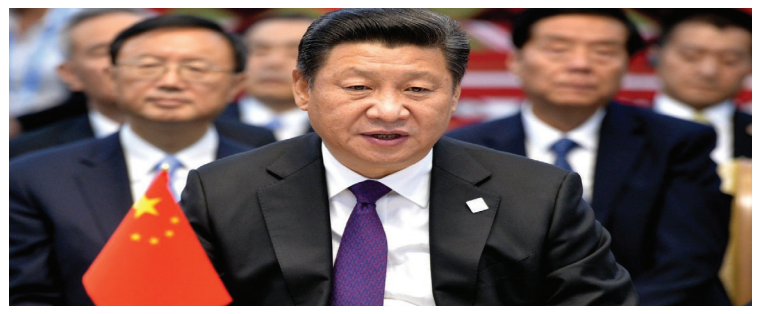

परिवर्तन, विशेष रूप से 68 वर्ष की अनौपचारिक सेवानिवृत्ति की उम्र के अलावा पार्टी के संस्थापक माओ के उत्तराधिकारी देंग शियाओपिंग द्वारा निर्धारित शीर्ष नेतृत्व के लिए दो कार्यकाल की शर्तों का पालनजारी रखती है। शक्तिशाली पोलित ब्यूरो के 25 सदस्यों में से लगभग एक दर्जन अगले साल अक्टूबर में 68 वर्ष से अधिक उम्र के होंगे। अधिवेशन से पहले, शिन्हुआ ने एक लंबी टिप्पणी की, जिसमें शी की उपलब्धियों की प्रशंसा की गई। इनमें भ्रष्ट अधिकारियों पर उनकी कार्रवाई भी शामिल थी। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने पीपुल्स डेली के आलेख के हवाले से कहा है, ''हर चीनी को सच्चे मन से शी का समर्थन करना चाहिए।'' चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने अपनी टिप्पणी में कहा है कि शी के नवंबर 2012 में सीपीसी केंद्रीय समिति का महासचिव चुने जाने के बाद से, ''चीन एक शक्तिशाली देश बन रहा है और अब यह मजबूती के युग में प्रवेश कर रहा है। इस नयी यात्रा में शी निस्संदेह प्रमुख चेहरा हैं।''

तेजी से अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में जुटा ड्रैगन, 2049 तक खुद को बनाना चाहता है वर्ल्ड क्लास

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

अपने नापाक इरादों के लिए जाने जाना वाला देश 'चीन' अब अपनी सेना को मजबूत करने में जुटा हुआ है। इसका खुलासा पेंटागन की एक हालिया रिपोर्ट से हुआ है। आपको बता दें कि चीन अपनी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) का आधुनिकिकरण 2035 तक करने और साल 2049 तक उसे वर्ल्ड क्लास बनाने की कोशिशों में जुटा हुआ है।

चीन को लेकर अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस यानि रक्षा विभाग (पेंटागन) ने कांग्रेस (संसद) के सामने एक रिपोर्ट पेश की है। जिसमें यह चौंका देने वाली बातें सामने आई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक चीन भारत-प्रशांत क्षेत्र में इस वक्त तीसरी सबसे बड़ी ताकत है। इतना ही नहीं वो काफी तेजी से अपनी वायुसेना की ताकत को भी बढ़ा रहा है।

तेजी से बढ़ रही वायुसेना की ताकत

चीन के पास 2,800 से ज्यादा विमान मौजूद हैं। जिसमें 2,250 लड़ाकू विमान, टैक्टिकल और स्ट्रेटेजिक विमान शामिल हैं। हालांकि यूएवी को भी शामिल कर दिया जाए तो ड्रैगन की ताकत में काफी इजाफा हो जाता है। इतना ही नहीं वो चौथी पीढ़ी के विमानों से अपनी वायुसेना की ताकत को मजबूत करने में जुटा हुआ है। उसके पास कुल 800 विमान चौथी पीढ़ी वाले हैं।

समुद्री ताकत में भी किया इजाफा

चीन ने न सिर्फ अपनी थल सेना बल्कि वायु और जलसेना को भी मजबूत किया है। इस वक्त 355 युद्धपोत और पनडुब्बियों के साथ ड्रैगन दुनिया की सबसे बड़ी समुद्री ताकतों में शुमार हो चुका है।

पेंटागन की रिपोर्ट के मुताबिक चीन 2027 तक अपनी परमाणु ताकत को भी बढ़ा चुका होगा। उसके पास करीब 700 परमाणु वॉरहेड होंगे और 2030 तक इसकी संख्या में भी इजाफा हो सकता है। जो बढ़कर करीब 100 तक पहुंच सकती है।

तेजी से साइलो का कर रहा निर्माण

कुछ वक्त पहले खबर सामने आई थी कि चीन तेजी से साइलो का निर्माण किया है। आपको बता दें कि चीन न सिर्फ अपनी सेनाओं की ताकत में इजाफा कर रहा है बल्कि परमाणु क्षमता में भी बड़ा विस्तार करने में जुटा हुआ है। गौरतलब है कि ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस ग्रुप ने चीन के तीन बड़े मिसाइल साइलो साइटों को खोजा था। जिसमें युमेन, हामी और मंगोलिया में मौजूद साइलों साइट शामिल हैं। चीन ने शिंजियांग प्रांत के हामी में दूसरा मिसाइल ठिकाना बनाया है। जबकि मंगोलिया में तीसरे का निर्माण किया। युमेन में 100, हामी में 110 और मंगोलिया में करीब 29 साइलों साइट्स का खुलासा हुआ था।

एस्ट्रोनॉट वांग यापिंग ने रचा इतिहास, अंतरिक्ष में चहलकदमी करने वाली बनीं पहली महिला

बीजिंग। (एजेंसी)।

अंतरिक्षयात्री वांग यपिंग ने सोमवार को अंतरिक्ष में चलनेवाली पहली चीनी महिला की उपलब्धि हासिल कर इतिहास रच दिया है। अपने पुरुष सहकर्मी जाई जिगांग के साथ वह निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर निकलीं और छह घंटे से ज्यादा समय तक उन्होंने अन्य गतिविधियों में हिस्सा लिया। सरकारी मीडिया की खबर से यह जानकारी मिली। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार दोनों अंतरिक्ष स्टेशन के कोर मॉड्यूल 'तियान' से बाहर निकले और सोमवार तड़के साढ़े छह घंटे तक अंतरिक्ष में चहलकदमी की और फिर सफलतापूर्वक स्टेशन लौट आए। चाइना मेन्ड स्पेस एजेंसी ने एक बयान में कहा कि चीन के अंतरिक्ष इतिहास में ऐसा पहली बार था जब एक महिला अंतरिक्षयात्री ने अंतरिक्ष में चहलकदमी की। चीन ने तीन अंतरिक्ष यात्रियों को छह महीने के लिए शेनजो-13 यान से अंतरिक्ष में रवाना किया था।

देश द्वारा आर्बिटिंग स्ट्रक्चर (अंतरिक्ष स्टेशन) का काम पूरा करने के लक्ष्य से इन्हें भेजा गया है और ऐसी उम्मीदें हैं कि स्टेशन निर्माण का काम अगले साल तक पूरा हो जाएगा। शांदोंग प्रांत की मूल निवासी और पांच साल की एक बच्ची की मां वेंग पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) एयर फोर्स से अगस्त,1997 में जुड़ी थीं। पीएलए की अंतरिक्ष इकाई के दूसरे समूह के अंतरिक्षयात्रियों से मई, 2010 में जुड़ने से पहले वह उप स्क्वाड्रन कमांडर थीं। अंतरिक्ष में जानेवाली वह दूसरी चीनी महिला हैं। मौजूदा मानव अंतिरक्ष मिशन के लिए उनका चयन दिसंबर 2019 में किया गया था। वांग और झाई सोमवार को जब चहलकदमी कर रहे थे तो उनकी तीसरी सहयोगी ये गुआंगफू मॉड्यूल के भीतर से उन्हें अहम सहायता प्रदान कर रही थीं।

सूरज बनाने के दावे करने वाला चीन चिप बनाने के मामले में क्यों साबित हुआ फिसड्डी, ऑटो इंडस्ट्री को लगा तगड़ा झटका

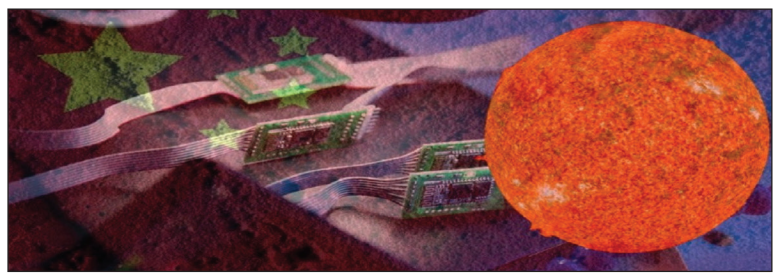

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तमाम ग्रह सूरज का चक्कर लगा रहे हैं और दुनिया सूरज की रोशनी से जगमगा रही है। लेकिन चीन पिछले कई सालों से एक और सूरज बनाने में लगा है। चीन चाहता है कि जितनी एनर्जी सूरज में है वो उसे नकली सूरज बनाकर हासिल कर सके। चीन के वैज्ञानिक इस काम में जुटे हैं। चीन ये दावा करता है कि दुनिया के लिए दूसरा सूरज तैयार किया जा चुका है। नकली सूरज बनाने के दावे के साथ दुनियाभर में अपना वर्चस्व दिखाने की कोशिश में लगा चीन चिप संकट से बेहाल है। चिप की कमी से चीन की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को तगड़ा झटका लग रहा है। जिसका चिप की कमी का असर सीधे-सीधे उसके ऑटोमोबाइल सेक्टर पर पड़ा है और अक्टूबर के महीने में वाहनों की ब्रिकी में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली है।

तमाम बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियां समस्या से जूझ रहीं

ऐसा नहीं है कि चीन ही केवल इस समस्या से जूझ रहा है। विश्व की तमाम बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियां सेमी कंडक्टर की कमी की समस्या से दो-चार हो रही है। भारत में त्योहारों के मौसम होने के बावजूद अक्टूबर के महीने में वाहनों की बिक्री में भारी गिरावट देखने को मिली है। अक्टूबर महीने में मारुति सुजुकी की सालाना आधार पर बिक्री 33 फीसदी घटी। वहीं हुंडई की बिक्री में 35 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। चिप का बड़ा प्रोडक्शन ताइवान में किया जा रहा है। इसी वजह से दुनिया की ज्यादातर कंपनियां ताइवान पर निर्भर हैं।

चिप का क्या है इस्तेमाल

चिप एक डिवाइस है, जिसका इस्तेमाल डाटा रखने में होता है। इंफोटेनमेंट सिस्टम, पावर स्टीयरिंग और ब्रेक को ऑपरेट करने के लिए सेमीकंडक्टर चिप्स का इस्तेमाल होता है। नए वाहनों के लिए यह चिप बेहद जरूरी है। चीन में अक्टूबर महीने में वाहनों की बिक्री तेजी से घटी है। तमाम विदेशी कार कंपनियों के लिए चीन एक बड़ा बाजार माना जाता है। खासकर होंडा, निसान और टोयोटा कंपनी चीन में लाखों गाड़ियां बेचती हैं। लेकिन अक्टूबर में सब की बिक्री लुढ़की है।

यूएई में नया कानून लागू, अब गैर मुस्लिम भी अपने रीति-रिवाजों से कर सकेंगे शादी

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात में रह रहे गैर मुस्लिमों के लिए बड़ी खुशखबरी है। बता दें कि यूएई सरकार ने गैर मुस्लिम लोगों के लिए बड़ी राहत दी है। सरकार ने एक आदेश जारी किया है जिसके अनुसार अब मुस्लिम से अलग धर्म के लोग यानि कि गैर-मुस्लिम लोग अपने रीति-रिवाज के साथ शादी कर पाएंगे। इसके लिए यूएई सरकार एक कानून तैयार करने जा रहा है। स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक, अबू धाबी में रह रहे गैर मुस्लिमों को अब नए नागरिक कानून के तहत शादी, तलाक और बच्चे गोद लेने की अनुमित देगा। इससे पहले देश में शरिया कानून लागू था और इसी कानून के तहत ही शादी या निकाह की जा सकती थी।

अबू धाबी के शेख खलीफा बिन जायद अल-नाहयान ने यह फरमना जारी किया है। गैर-मुस्लिमों के लिए कानून जारी कर उन्होंने बताया कि, इस नए कानून में शादी, तलाक, गुजारा भत्ता, संयुक्त बाल हिरासत और पितृत्व का प्रमाण हासिल है। जानकारी के लिए बता दें कि, शेख खलीफा बिन जायद सात अमीरात के यूएई महासंघ के अध्यक्ष भी हैं।

अमेरिका की कर सकते है यात्रा, हटाए गए सभी कोविड-19 संबंधी यात्रा प्रतिबंध

चार्ल्स डि गॉल विमानक्षेत्र। (एजेंसी)।

अमेरिका ने सोमवार को मैक्सिको, कनाडा और यूरोप के कई सारे देशों से यात्रा पर से प्रतिबंध हटा लिया जिससे पर्यटकों एवं परिवार के सदस्यों को महामारी के चलते डेढ साल बाद यात्रा करने एवं अपने प्रियजनों से मिलने की अनुमति मिल गयी। न्यूयार्क में अपने पति से मिलने के लिए उतावली गाये कैमारा (40) ने कहा, '' मैं उन्हें बांहों में भरने , उन्हें चूमने और उन्हें छूकर देखने को बेताब हूं।'' वह कोविड-19 के चलते पूरी दुनिया में विमान यात्रा एवं इधर-उधर आने-जाने पर पाबंदी लगने के बाद से अपने पति से मिल नहीं पायी हैं। चार्ल्स डि गॉल विमानक्षेत्र में उन्होंने कहा, ''इसके बारे में चर्चा करने भर से मैं भावुक हो जाती हूं।''

सोमवार से प्रभाव में आये यात्रा के नए नियमों के तहत इन देशों के वही यात्री अमेरिका की यात्रा कर सकते हैं जो कोविड-19 रोधी टीकों की पूर्ण खुराक ले चुके हैं। यात्रियों को पूर्ण टीकाकरण के प्रमाणपत्र और संक्रमित ना होने की पुष्टि करने वाली रिपोर्ट दिखानी होगी। सड़क मार्ग से यात्रा के नए नियमों के अनुसार, मैक्सिको तथा कनाडा से आने वाले लोगों को टीकाकरण का प्रमाणपत्र दिखाना होगा, लेकिन किसी तरह की कोई जांच रिपोर्ट दिखाने की जरूरत नहीं होगी। वैसे अमेरिकी नागरिकों एवं स्थायी निवासियों को अमेरिका में सदैव प्रवेश की अनुमति थी लेकिन यात्रा पाबंदी ने पर्यटकों को अपने यहां ही कैद कर दिया, कारोबारी यात्रियों के यात्रा कार्यक्रम को विफल कर दिया एवं परिवार के सदस्यों को एक दूसरे से अलग कर दिया। सभी एयरलाइंस यात्रा में जबर्दस्त वृद्धि की उम्मीद कर रही हैं।

यात्रा एवं विश्लेषण कम्पनी 'सिरियम' के आंकड़ों के अनुसार, एयरलाइंस ब्रिटेन और अमेरिका के बीच पिछले महीने की तुलना में इस

महीने उड़ानों में 21 प्रतिशत वृद्धि कर रही हैं। कैमारा जनवरी, 2020 में जब अपने पति मामाडोउ से मिली थी तब उन्हें इस बात का रत्ती भर भान नहीं था कि दोनों को अब फिर मिलने के लिए 21 माह तक इंतजार करना होगा। वह फ्रांस के अलास्का क्षेत्र में रहती हैं और उनके पति न्यूयार्क में रहते हैं। नियमों में बदलाव से, सड़क के रास्ते मैक्सिको तथा कनाडा आने-जाने वाले लोगों की संख्या में भी इजाफा होगा क्योंकि महामारी के पैर पसारने से पूर्व इन देशों से अमेरिका में आना-जाना जनजीवन का हिस्सा था।। कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण अमेरिका ने कुछ देशों से लोगों के देश में आने पर रोक लगा दी थी। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र के अनुसार, अमेरिका में केवल वहीं यात्री आ सकते हैं, जिन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा आपात इस्तेमाल के लिए स्वीकृत किए गए किसी कोविड-19 रोधी टीके की पूर्ण खुराक ली हो। हवाई यात्रा करने वाले सभी यात्रियों से जुड़ी पूर्ण जानकारी 'एयरलाइंस' को रखनी होगी, किसी भी नियम के उल्लंघन पर उन्हें 35,000 डॉलर तक के जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है।

6 फ़िलिस्तीनी अधिकार कार्यकर्ताओं के फोन हुए हैक, एनएसओ स्पाइवेयर का हुआ इस्तेमाल

यरुशलम। (एजेंसी)।

सुरक्षा शोधकर्ताओं ने सोमवार को खुलासा किया कि कुख्यात इजरायली 'हैकर-फॉर-हायर' (जानकारी चुराने के लिये किराये पर उपलब्ध) कंपनी एनएसओ ग्रुप के स्पाइवेयर छह फलस्तीनी मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के मोबाइल फोन में पाए गए थे, इनमें आधे ऐसे समूहों से जुड़े थे, जिनके इजरायल के रक्षा मंत्री ने विवादास्पद रूप से आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का दावा किया था। यह फलस्तीनी कार्यकर्ताओं के सैन्य-ग्रेड पेगासस स्पाइवेयर द्वारा निशाने पर होने का पहला ज्ञात उदाहरण है।

मेक्सिको से लेकर सऊदी अरब तक पत्रकारों, अधिकार कार्यकर्ताओं और राजनीतिक असंतुष्टों के खिलाफ इसके उपयोग से जुड़े दस्तावेज 2015 से उपलब्ध हैं। एक सटीक पेगासस संक्रमण गुप्त रूप से घुसपैठियों को उन सभी चीजों तक पहुंच प्रदान करता है जो एक व्यक्ति अपने फोन पर संग्रहित करता है, जिसमें वास्तविक समय (रीयल-टाइम) में किया गया संचार भी शामिल है। गैर-लाभकारी 'फ्रंटलाइन डिफेंडर्स' के मोहम्मद अल-मसकाती के फोन में सबसे पहले सामने आए इस स्पाइवेयर के बारे में यह स्पष्ट नहीं है कि मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के फोन में किसने इसे प्रेषित किया था। अक्टूबर के मध्य में पहली दो घुसपैठों का पता चलने के तुरंत बाद, इजरायल के रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज़ ने छह फलस्तीनी नागरिक संस्थाओं को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया। आयरलैंड स्थित 'फ्रंटलाइन डिफेंडर्स' और पीड़ितों में से कम से कम दो का कहना है कि वे इजरायल को मुख्य संदिग्ध मानते हैं और उन्हें लगता है कि आतंकी संगठन घोषित करना, हैक (जासूसी) का पता चलने को दबाने की कोशिश करने के लिए किया गया हो सकता है, हालांकि उन्होंने उन दावों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया है। इजरायल ने समूहों को आतंकी संगठन घोषित करने के लिए सार्वजनिक तौर पर बहुत कम सबूत उपलब्ध कराए हैं।

फलस्तीनी समूहों का कहना है कि इसका मकसद उनके वित्तपोषण को रोकने और इजरायली सैन्य शासन के विरोध को दबाना है। 'फ्रंटलाइन डिफेंडर्स' ने कहा कि जिन फलस्तीनियों के फोन हैक किए गए हैं उनमें से तीन नागरिक समाज समूह के लिए काम करते हैं। अन्य ने नाम न जाहिर करने की मंशा जताई है। फोरेंसिक पड़ताल की स्वतंत्र रूप से एमनेस्टी इंटरनेशनल और टोरंटो विश्वविद्याल के 'सिटिजन' लेब के सुरक्षा शोधार्थियों ने एक रिपोर्ट में पुष्टि की है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब एनएसओ ग्रुप की स्पाइवेयर के दुरुपयोग के लिए निंदा की जा रही है और अपने डिजिटल उद्योग पर पर्याप्त नजर नहीं रखने की वजह से इजरायल की सरकार भी निशाने पर है। पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने एनएसओ ग्रुप और अन्य कंपनी कैनडिरू को काली सूची में डाल दिया था। फलस्तीनी कार्यकर्ताओं के खिलाफ सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल के आरोपों पर पूछे जाने पर एनएसओ ग्रुप ने एक बयान में कहा कि वह अपने ग्राहकों की पहचान, अनुबंध और राष्ट्रीय सुरक्षा के कारणों से उजागर नहीं करता है और उसे इस बात की जानकारी नहीं है कि किन लोगों ने फोन हैक किए हैं और वह सिर्फ सरकारी एजेंसियों को 'संगीन अपराध और आतंकवाद' के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए सॉफ्टवेयर बेचता है। इजरायल के एक अधिकारी ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि छह समूहों को आतंकवादी संगठन पुख्ता सबूतों के आधार पर घोषित किया गया है और इसका संबंध एनएसओ सॉफ्टवेयर से होने का कोई भी दावा बेबुनियाद है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बंबई उच्च न्यायालय ने मानहानि के मुकदमे पर नवाब मलिक से जवाब मांगा

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को महाराष्ट्र के मंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता नवाब मलिक को स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी), मुंबई क्षेत्रीय इकाई निदेशक समीर वानखेड़े के पिता ध्यानदेव वानखेड़े द्वारा दायर मानहानि के एक मुकदमे के जवाब में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति माधव जामदार की अवकाशकालीन पीठ ने मलिक को मंगलवार तक अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश देने के साथ ही इस मामले को बुधवार के लिए सूचीबद्ध कर दिया। न्यायमूर्ति जामदार ने कहा, ''आप (मलिक) कल तक अपना जवाब दाखिल करें। यदि आप ट्विटर पर जवाब दे सकते हैं तो आप यहां भी जवाब दे सकते हैं।'' उन्होंने वादी (ध्यानदेव वानखेड़े) के खिलाफ कोई और बयान देने से मलिक पर रोक लगाने का आदेश जारी किये बगैर यह निर्देश दिया। ध्यानदेव की ओर से पेश हुए अधिवक्ता अरशद शेख ने अदालत से कहा कि प्रतिवादी (मलिक द्वारा) प्रतिदिन कुछ झूठा और मानहानिकारक बयान दे रहे हैं , जिस पर फिर सोशल मीडिया पर टिप्पणी की जाती है जो और भी अपमानजक होती है। शेख ने दलील दी, ''आज सुबह, प्रतिवादी ने समीर वानखेड़े की साली के खिलाफ एक ट्वीट किया। '' ध्यानदेव ने अपने मुकदमे के जरिये मलिक से सवा करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि मलिक ने उनके बेटे समीर वानखेड़े और परिवार के खिलाफ संवाददाता सम्मेलन तथा सोशल मीडिया के जरिये मानहानिकारक टिप्पणियां की हैं।

शुरुआत से ही दलित और पिछड़े वर्ग के महापुरुषों का तिरस्कार करती रही है सपा : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर शुरू से ही दलित और पिछड़े वर्ग के संतों और महापुरुषों का तिरस्कार करने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि ऐसे में सपा से इन विभूतियों के अनुयायियों के प्रति आदर की उम्मीद करना बेमानी है। मायावती ने सिलसिलेवार ट्वीट में आरोप लगाया, सपा शुरू से ही दलितों तथा पिछड़े वर्गों में जन्मे महान संतों, गुरुओं एवं महापुरुषों का तिरस्कार करती रही है, जिसका खास उदाहरण फैजाबाद जिले में से बनाया गया नया आम्बेडकर नगर जिला है। भदोही को नया जिला संत रविदास नगर बनाने का भी इन्होंने (सपा ने) विरोध किया तथा इसका नाम तक भी सपा सरकार ने बदल दिया। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के अनेक संस्थानों व योजनाओं आदि के नाम जातिवादी द्वेष के कारण बदल दिए गये।

उपहार अग्निकांड मामला : सबूतों से छेड़छाड़ करने पर अंसल बंधुओं को 7 साल की कैद, अदालत ने 2.25 करोड़ का जुर्माना भी लगाया

नयी दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत ने साल 1997 उपहार सिनेमा अग्निकांड में साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में अंसल बंधुओं को 7 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने सुशील और गोपाल अंसल पर 2.25 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। आपको बता दें कि उपहार सिनेमा अग्निकांड में 59 लोगों की मौत हुई थी। इस मामले में अदालत ने अंसल बंधुओं, दिनेश चंद शर्मा. पीपी बत्रा और अनूप सिंह को दोषी करार दिया था। जबकि सुनवाई के दौरान दो अन्य आरोपियों हरस्वरूप पंवार और धर्मवीर मल्होत्रा की मौत हो गई थी। दरअसल, यह मामला अग्निकांड के साक्ष्यों से छेड़छाड़ करने का है जिसमें उच्चतम न्यायालय ने अंसल बंधुओं को दोषी करार देते हुए उन्हें दो-दो साल कारावास की सजा सुनाई थी।

गुजरात तट पर भारतीय मछुआरे की हत्या के बाद 10 पाकिस्तानी नौसेना कर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज

पोरबंदर। गुजरात पुलिस ने तटीय इलाके में हुई गोलीबारी की घटना में भारतीय मछुआरे की मौत के सिलसिले में 'पाकिस्तान नौवहन सुरक्षा एजेंसी' (पीएमएसए) के 10 कर्मियों के खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। गुजरात के अपतटीय क्षेत्र में अरब सागर में पीएमएसए के कर्मियों ने मछली पकड़ने वाली एक नौका पर शनिवार कोगोली चला दी थी जिसमें चालक दल के एक सदस्य की मौत हो गयी और अन्य एक घायल हो गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीएमएसए के 10 कर्मियों के खिलाफ पोरबंदर जिले के नवी बंदर पुलिस थाने में रविवार रात भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 307 (हत्या का प्रयास) और 114 के अलावा शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

भारत में पिछले 24 घंटे में 11,451 नए कोविड-19 केस, 266 मरीजों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 11,451 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,43,66,987 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 1,42,826 हो गई है, जो 262 दिन में सबसे कम है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह आठ बजे जारी कि गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से 266 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,61,057 हो गई है। देश में लगातार 31 दिनों से कोविड-19 के दैनिक मामले 20 हजार से कम हैं और 134 दिन से 50 हजार से कम नए दैनिक मामले सामने आ रहे हैं। उपचाराधीन मरीजों की संख्या भी घटकर 1,42,826 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.42 प्रतिशत है। यह दर मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 2,019 की कमी दर्ज की गई है।

अधिसूचना जारी होने से पहले बांटे जाएंगे फ्री में मिलने वाले टैबलेट और स्मार्टफोन!

लखनऊ (एजेंसी)।

यूपी में बंटने वाले फ्री टैबलेट और स्मार्ट फोन का इंतजार कर रहे लाखों युवाओं का इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। योगी सरकार युवाओं को स्मार्ट फोन और टैबलेट इसी माह बांटने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इसके लिए जल्द ही सूची तैयार करा ली जाए। मुख्यमंत्री ने टीम-9 के साथ बैठक में अधिकारियों से कहा कि जिन बच्चों को स्मार्टफोन और टैबलेट वितरित किए जाने हैं, उनकी सूची तैयार कर ली जाए, जिससे नवंबर माह के अंत तक स्मार्टफोन और टैबलेट वितरण की प्रक्रिया प्रारंभ की जा सके। बता दें कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृ?व वाली यूपी सरकार ने प्रदेश के 68 लाख छात्र-छात्राओं (यूजी और पीजी) को टैबलेट या स्मार्टफोन देने जा रही है।

सूत्रों की मानें तो टैबलेट या स्मार्टफोन का वितरण पात्र छात्र-छात्राओं का डाटा पोर्टल पर फीड करने के बाद किया जाएगा। यह बड़ी खरीद जेम पोर्टल के जरिए ही की जाएगी। चुनाव को देखते हुए सरकार की कोशिश है कि आचार संहिता लागू होने के पहले ही प्रक्रिया पूरी हो जाए और स्मार्ट फोन और टैबलेट छात्र-छात्राओं के हाथ में पहुंच जाएं। सरकार ने पात्र विद्यार्थियों का डाटा फीड करने की जिम्मेदारी तय कर दी है। बताया जा रहा है कि छात्र-छात्राएं जहां अध्ययनरत हैं उसी यूनिवर्सिटी, महाविद्यालय और अन्य शिक्षण संस्थानों को पूरी सावधानी बरतते हुए डेटा फीड करना होगा। डाटा फीडिंग के बाद योजना के तहत आने वाले विद्यार्थियों को स्मार्टफोन और टैबलेट मिलने की जानकारी मोबाइल पर दी जाएगी।

योगी सरकार की फ्री टैबलेट या स्मार्ट फोन बांटने की योजना का लाभ छात्रों के अलावा अन्य लोगों को भी मिलेगा। प्लम्बर, कारपेंटर, नर्स, इलेक्ट्रीशियन, ए.सी. मैकेनिक आदि को भी टैबलेट/स्मार्ट फोन दिए जाएंगे, जिससे वे नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करते हुए अपनी जीविका भी चला सकें। योजना के तहत प्रस्तावित लाभार्थी वर्ग में अन्य वर्ग के युवाओं को भी समय-समय पर मुख्यमंत्री के अनुमोदन से सम्मिलित किया सकेगा। किस लाभार्थी वर्ग को टैबलेट प्रदान किया जाना है तथा किसे स्मार्ट फोन दिए जाने हैं, इसका निर्णय मुख्यमंत्री के स्तर से लिया जाएगा। टैबलेट-स्मार्ट फोन के वितरण के लिए लाभार्थी वर्ग की प्राथमिकता का निर्धारण और चरणबद्ध क्रय के संबंध में भी निर्णय मुख्यमंत्री के स्तर से लिया जाएगा। भविष्य में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों के निराकरण के लिए योजना के तहत किसी भी संशोधन के लिए मुख्यमंत्री को अधिकृत किया गया है।

इस योजना का लाभ देने के लिए योगी सरकार हर जिले में जिलाधिकारी की अध्यक्षता एक कमेटी बनाएगी इसमें छह सदस्य होंगे। जो चिन्हित शिक्षण संस्थानों की सूची तैयार करेगी। उन्होंने बताया कि यह स्मार्ट फोन या टैबलेट जेम पोर्टल के जरिये ही खरीदे जाएंगे। जेम पोर्टल ही नोडल एजेंसी होगी। यह टैबलेट या स्मार्ट फोन किन युवाओं को दिये जाएंगे, इसकी पात्रता भी तय की जाएगी।

सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए स्वदेशी तकनीकों का विकास अपरिहार्यः सेना प्रमुख

नई दिल्ली (एजेंसी)।

थल सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने सोमवार को कहा कि संघर्ष के दौरान भारतीय सेना के पूर्ण इस्तेमाल के लिए केवल स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकियां ही उपलब्ध रहेंगी और ऐसे में विदेशी प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता कम करना अपरिहार्य है। उन्होंने फिक्की के एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि भारतीय सेना तेजी से आधुनिकीकरण के दौर से गुजर रही है और यह अपनी परिचालन जरूरतों के लिए अधिक से अधिक स्वदेशी समाधान तलाश रही है।

थल सेना प्रमुख ने कहा, ''मैं वास्तव में मानता हूं कि संघर्ष के दौरान, युद्ध जैसी स्थितियों में, विभिन्न क्षेत्रों में पूर्ण इस्तेमाल के लिए केवल स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकियां ही हमारे लिए उपलब्ध होंगी। नरवणे ने उल्लेख किया कि उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने और विदेशी प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता कम करने के लिए स्वदेशी और स्थानीय क्षमताओं का विकास करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, सेना विशेष रूप से इस पहल का नेतृत्व करने के लिए अधिक उपयुक्त है। भारत के पास एक विस्तृत औद्योगिक आधार है और हमें विश्वास है कि रक्षा उपकरणों की

अधिकतर मुख्य आवश्यकताओं को घरेलू स्तर पर ही पूरा किया जा सकता है। सेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय सेना में अधिग्रहण की औसत लागत कम है जो एमएसएमई और स्टार्ट-अप की व्यापक भागीदारी की अनुमति देती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक मंदी के दौरान सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल से घरेलू उद्योग को बहुत जरूरी प्रोत्साहन मिला है।

थल सेना के उप प्रमुख (क्षमता विकास) लेफ्टिनेंट जनरल शांतनु दयाल ने इस कार्यक्रम में कहा कि साजो-सामान और प्रौद्योगिकियों की खरीद के दौरान गुणवत्ता और लागत भारतीय सेना के लिए दो सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। उन्होंने कहा, ''हम इन साजो-सामान को बहुत ही चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में तैनात करने जा रहे हैं, इसलिए उन्हें मजबूत और अच्छी गुणवत्ता का होना चाहिए।'' दयाल ने कहा कि भारतीय सेना खरीद के दौरान स्वदेशी सामग्रियों की हिस्सेदारी बढ़ाने जा रही है।

हरिद्वार कुंभ में एक लाख से ज्यादा फर्जी कोविड टेस्ट करने के दो आरोपी नोएडा से गिरफ्तार

नोएडा।(एजेंसी)।

हरिद्वार में आयोजित कुंभ मेले में फर्जी तरीके से कोविड जांच के जरिए करोड़ों रुपये का घोटाला करने के मामले में मैक्स कॉरपोरेट सर्विसेज लिमिटेड के मालिक व उनकी पत्नी को नोएडा में उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर एक लाख से ज्यादा फर्जी कोविड-19 जांच का आरोप है। इस मामले की जांच उत्तराखंड की विशेष जांच टीम (एसआईटी) तथा प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। पुलिस आयुक्त आलोक सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि बीती रात हरिद्वार पुलिस ने नोएडा के सेक्टर 48 में रहने वाले मैक्स कॉरपोरेट सर्विसेज लिमिटेड के निदेशक शरद पंत (45) तथा उनकी पत्नी मलिका पंत (43) को गिरफ्तार किया।

उनके खिलाफ हरिद्वार जनपद में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के अलावा आपदा प्रबंधन कानून व महामारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है। उन्होंने बताया कि आरोप के अनुसार इन लोगों ने एक लाख से ज्यादा फर्जी आरटी -पीसीआर जांच किया तथा उत्तराखंड सरकार को करोड़ों रुपए का चूना लगाया। पुलिस दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद हरिद्वार रवाना हो गयी। पुलिस के अनुसार पंजाब के फरीदकोट के रहने वाले एक व्यक्ति को 22 अप्रैल को एक एसएमएस आया जिसमें बताया गया था कि उनकी कोविड जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है। विपिन ने दावा किया कि उन्होंने कभी कोविड जांच करवाया ही नहीं था। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय अधिकारियों की इसकी शिकायत की। उन्होंने इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) को ई-मेल के जरिए अपनी शिकायत भेजी।

नोटबंदी करके मोदी ने भारती की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया : मल्लिकार्जुन खड़गे

हैदराबाद। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नोटबंदी' करके, भारत की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया। खड़गे ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''मोदी जी ने आठ नवंबर 2016 को नोटबंदी की घोषणा की थी और आज इसे पांच साल हो गये। बेरोजगारी बढ़ी है। छोटे कारोबार प्रभावित हुये हैं और बंद हो चुके हैं। उन्होंने (मोदी ने) नोटबंदी के माध्यम से देश की बेहतर अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया।'' गौरतलब है कि 2016 में आज के ही दिनप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 500 और एक हजार रुपये के नोटों का चलन बंद करने की घोषणा की थी। वरिष्ठा नेता ने जिन कारणों से नोटबंदी की गयी उसे लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा जिनमें काले धन के प्रवाह पर रोक लगाना शामिल था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''आज स्थिति यह है कि नोटबंदी के कारण जिन लोगों की नौकरी गयी है उन्हें नौकरी नहीं मिली है। देश के लोगों के लिये यह एक ''काला दिन'' है। आज करेंसी नोटों का चलन लगातार बढ़ रहा है और यह 28 लाख करोड़ रुपये से अधिक है।'' हाल ही में कांग्रेस नेता संजय निरूपम से माफी मांगने वाले पूर्व नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

(कैग) विनोद राय के बारे में खड़गे ने कहा कि यह कांग्रेस के सतत रुख की पुष्टि करता है कि पूरा 2 जी स्पेक्ट्रम मामला (तत्कालीन) मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार को अस्थिर करने के लिए भाजपा-संघ मशीनरी समर्थित एक बड़ी ''साजिश'' थी।। राय ने निरुपम से 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन पर कैग की रिपोर्ट में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का नाम नहीं लेने का दबाव बनाने वाले सांसदों में से एक के रूप में उनका गलत उल्लेख करने के लिए बिना शर्त माफी मांगी थी। खड़गे ने राय पर साजिश करने और एक कठपुतली के रूप में काम करने का आरोप लगाया और यह भी मांग की कि वह अपने ''झूठ'' के लिए देश से माफी मांगें। उन्होंने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मामूली कमी करने को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार की आलोचना की, उन्होंने कहा, 'यह देर से उठाया गया कदम है और इतना कम है कि लोगों को इसका ज्यादा फायदा नहीं होगा।

दिल्ली-एनसीआर में हर पांच परिवारों में चार वायु प्रदूषण से प्रभावित : सर्वेक्षण

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण के बीच एक सोशल मीडिया मंच पर कराये गये सर्वेक्षण में पाया गया है कि इस क्षेत्र में हर पांच परिवारों में से चार परिवार प्रदूषित हवा के चलते एक या अधिक बीमारियों से जूझ रहे हैं। लोकलसर्किल्स द्वारा कराये गये इस सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि 91 फीसदी दिल्ली निवासी मानते हैं कि प्रशासन इस दिवाली पर पटाखों के परिवहन, वितरण एवं बिक्री पर रोक की तामील कराने में पूरी तरह या आंशिक रूप से निष्प्रभावी रहा।

एक बयान के अनुसार सर्वेक्षण के दौरान दिल्ली, गुड़गांव, नोएडा, गाजियाबाद एवं फरीदाबाद के 34000 से अधिक लोगों से जवाब मिले। इनमें 66 फीसदी प्रत्युत्तरदाता पुरूष एवं 34 फीसदी महिलाएं थीं। सर्वेक्षण में उनसे पिछले सप्ताह दिल्ली-एनसीआर में वायु की गुणवत्ता गंभीर होने के बाद उनके सामने उत्पन्न हुई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के बारे में पूछा गया था। बयान में कहा गया है, '' जवाब में 16 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें गले में

खराश या बलगम या दोनों दिक्कत है, अन्य 16 फीसदी लोगों का कहना था कि उनकी आंखों में जलन, गले में तकलीफ है तथा नाक बह रही है जबकि अन्य 16 फीसदी ने कहा कि उन्हें सांस लेने में परेशानी हो रही है। '' इस बयान के मुताबिक, सिर्फ 20 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें प्रदूषित वातावरण के चलते कोई परेशानी नहीं है।

औसतन हर पांच में से चार परिवारों में प्रदूषित हवा के चलते लोग स्वास्थ्य संबंधी एक या अधिक परेशानियां अनुभव कर रहे हैं। करीब 24 फीसदी ऐसे लोग हैं जिन्हें उपरोक्त सभी परेशानियां हुईं जबकि आठ फीसदी को कम से कम दो लक्षणों से जूझना पड़ा। करीब 22 फीसदी लोगों ने कहा कि वह या उनके परिवार में कोई न कोई वायु प्रदूषण जनित स्वास्थ्य समस्या के चलते डॉक्टर के पास या अस्पताल गए।

कई साल बाद चेन्नई में भारी बारिश, प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री को केंद्र की सहायता का आश्वासन दिया

चेन्नई (एजेंसी)।

मॉनसून के दौरान चक्रवाती परिस्थितियों के कारण चेन्नई और आसपास के क्षेत्रों में लगभग 24 घंटों में तेज बारिश हुई, जिससे रविवार को यहां के अधिकतर इलाकों में पानी भर गया और अतिरिक्त पानी को बाहर निकालने के लिए शहर के तीन जलाशयों के स्लुइस गेट (जल स्तर या प्रवाह दर को नियंत्रित करने वाले दरवाजे)खोल दिए गए। अक्टूबर में उत्तर-पूर्व मॉनसून की शुरुआत के बाद से, तमिलनाडु और पुडुचेरी क्षेत्र में करीब 43 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है।

पिछले 24 घंटे से भारी से अत्यधिक भारी बारिश शहर में करीब छह साल बाद हो रही है जबकि तमिलनाडु के अन्य क्षेत्रों में हल्की या मध्यम बारिश हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य को केंद्र की सहायता का आश्वासन देते हुए ट्वीट किया, ÷तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से बात की और राज्य के कुछ हिस्सों में अत्यधिक वर्षा से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा की। राहत एवं बचाव कार्य में केंद्र की तरफ से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। मैं हर किसी की कुशलता एवं सुरक्षा की कामना करता हूं।'

मुख्यमंत्री स्टालिन ने मुख्य सचिव वी इरई अनबु सहित शीर्ष अधिकारियों के साथ कई जलमग्न इलाकों का दौरा किया और अधिकारियों को बाढ़ के पानी की निकासी के लिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। स्टालिन ने कैबिनेट सहयोगियों के साथ यहां अस्थायी शिविरों में प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को चावल, दूध और कंबल सहित बाढ़ सहायता सामग्री वितरित की। उन्होंने अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। सरकार ने 8 और 9 नवंबर को चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपेट जिलों में स्कूलों और कॉलेजों के लिए अवकाश घोषित किया। स्टालिन ने कहा कि कोयंबटूर, तिरुनेलवेली, तिरुवरूर, विल्लुपुरम, इरोड, करूर, कुड्डालोर, पुदुकोट्टई, पेरम्बलुर जैसे जिलों में सामान्य बारिश (मौसम के दौरान) 60 प्रतिशत से अधिक हुई।

मौसम विभाग ने कहा कि उत्तर तटीय तमिलनाडु, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है और नौ नवंबर तक कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। एजेंसी ने राज्य में कम से कम अगले तीन दिनों तक बड़े पैमाने पर वर्षा का अनुमान जताया है। शनिवार की सुबह से, चेन्नई और कांचीपुरम और तिरुवल्लूर जिलों के कई उपनगरों में रुक-रुक कर बारिश हुई और

कल रात से बारिश लगातार होने लगी। रविवार देर रात तक यहां और आसपास के जिलों में ज्यादातर इलाकों में बारिश थम गई। भारी बारिश के मद्देनजर यहां यातायात, बस और ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)